RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com बुधवार, 26 अगस्त 2026 | वर्षः 04, अंकः 156 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

'सप्तधारा' विकसित भारत का रोडमैप, सात क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है देशः बीजेपी

पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने कभी यूपीआई का मजाक उड़ाया था लेकिन आज उसके आंकड़े पूरी दुनिया के सामने हैंः पात्रा

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने कभी यूपीआई का मजाक उड़ाया था लेकिन आज उसके आंकड़े पूरी दुनिया के सामने हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी शायद इन उपलब्धियों को समझ नहीं पाएंगे। संबित पात्रा ने कहा, "आज यूपीआई ने 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं और यह दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम बन चुका है।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 साल पहले जब यूपीआई की परिकल्पना रखी थी, तब कांग्रेस नेताओं ने उसका उपहास उड़ाया था लेकिन आज वही प्रणाली डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी सफलता बन गई है। उन्होंने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने देश के सामने 'सप्तधारा' का विजन रखा था। यह विकसित भारत के निर्माण का रोडमैप है। किसी भी देश को आगे बढ़ाने के लिए स्पष्ट लक्ष्य की आवश्यकता होती है और सही समय पर सही नेतृत्व ही देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है। उन्होंने कहा कि 'सप्तधारा' के तहत मैन्युफैक्चरिंग पावर, कृषि एवं फूड

यूपीआई दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम बन चुका हैः पात्रा

पात्रा ने कहा कि यूपीआई के 10 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम बन चुका है। उन्होंने कहा कि ग्रीन और ब्लू इकोनॉमी, योग, आयुर्वेद, सांस्कृतिक पर्यटन, सिनेमा, वी एफ एक्स और गेमिंग जैसे क्षेत्रों के माध्यम से भारत की वैश्विक पहचान मजबूत हो रही है। साथ ही हाई-स्पीड रेल, आधुनिक हाईवे, इनलैंड वाटरवेज और स्वदेशी रक्षा उत्पादन के विस्तार के जरिए विकसित भारत के लक्ष्य को गति दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग में मजबूत घरेलू वैल्यू चेन, जीरो-डिफेक्ट और विश्वस्तरीय उत्पादों के निर्माण पर जोर है। कृषि क्षेत्र में दलहन-तिलहन उत्पादन, जैविक खेती और किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में काम हो रहा है। पात्रा ने कहा कि भारत स्पेस, क्वांटम टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वाणिज्य मंत्री गोयल ने जापान से अधिक संस्थागत पूंजी निवेश का किया आह्वान

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को जापान के प्रमुख वित्तीय एवं निवेश संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह एवं निवेश साझेदारी मजबूत करने और भारत की विकास यात्रा में जापानी भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा की। गोयल ने एक्स पर जारी पोस्ट में लिखा, टोक्यो में दूसरे दिन की शुरूआत प्रमुख विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रतिनिधियों के साथ नाश्ते पर गोलमेज बैठक से हुई। इस दौरान भारत में निवेश के बदलते माहौल, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (कारोबार में आसानी) में हुई

प्रोसेसिंग, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन, ग्रीन एवं ब्लू इकोनॉमी, सॉफ्ट पावर, गति शक्ति और रक्षा शक्ति जैसे सात प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग में मजबूत घरेलू वैल्यू चेन, जीरो-डिफेक्ट और विश्वस्तरीय उत्पादों के निर्माण पर जोर है। कृषि क्षेत्र में दलहन-तिलहन उत्पादन, जैविक खेती और किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में काम हो रहा है। पात्रा ने कहा कि भारत स्पेस, क्वांटम टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सूखे से निपटने की रणनीति बदले दुनियाः भूपेंद्र

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम कन्वेंशन (यूएनसीसीडी) के कॉप 17 में वैश्विक स्तर पर सूखे से निपटने की रणनीति में बदलाव की अपील की है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि सूखे को बार-बार आने वाली आपदा मानकर केवल राहत देने के बजाय इसे एक पूवार्नुमानित और रोके जा सकने वाले जोखिम के रूप में देखा जाना चाहिए। मंगोलिया के उलानबातर में आयोजित सूखे से निपटने के लिए उपायों को तेज करने विषयक मंत्रिस्तरीय संवाद को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि सूखा अब केवल एक मौसमी घटना नहीं रह गया है, बल्कि यह जल सुरक्षा, खाद्य व्यवस्था, जैव विविधता और आर्थिक स्थिरता के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। वैश्विक लक्ष्य प्रतिक्रिया से पहले तैयारी, संकट प्रबंधन से पहले रोकथाम और पुनर्बहाली से पहले लचीलापन होना चाहिए। मंत्री ने बताया कि भारत सूखे से निपटने के लिए वर्षा निगरानी, सैटेलाइट आधारित सूखा आकलन, शुरूआती चेतावनी और केंद्र-राज्य स्तर पर समन्वित तैयारी पर काम कर रहा है।

भारत में नदी पुनर्जीवन, पारंपरिक जल निकायों के संरक्षण पर काम किया जा रहा

जल और भूमि के बीच संबंध पर जोर देते हुए कहा कि वनों और जलग्रहण क्षेत्रों का संरक्षण पानी की उपलब्धता बढ़ाने, मिट्टी के कटाव को कम करने और भूजल पुनर्भरण में मदद करता है। भारत में नदी पुनर्जीवन, पारंपरिक जल निकायों के संरक्षण और जल संरक्षण की दिशा में भी काम किया जा रहा है। यादव ने बताया कि भारत के विभिन्न हिस्सों में समुदायों की भागीदारी से झरनों और जल पुनर्भरण क्षेत्रों का संरक्षण किया जा रहा है। वहीं, वर्षा आधारित और खराब हो चुकी कृषि भूमि के लिए देशभर में वाटरशेड कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। किसानों को सूखे समेत अन्य जोखिमों से सुरक्षा देने के लिए फसल बीमा को भी महत्वपूर्ण उपाय बताया गया। इसके अलावा पेयजल आपूर्ति, रोजगार, चारा और आपातकालीन जल व्यवस्था जैसे उपायों के जरिए संकट के दौरान कमजोर वर्गों को सहायता दी जाती है। भारत ने दुनिया से पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली, मजबूत प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और समन्वित कार्रवाई में अधिक निवेश करने का आह्वान किया।

सरकार सभी पायलटों के लिए रैंडम ड्रग टेस्ट पर कर रही विचार : राममोहन नायडू

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि सरकार सभी पायलटों के लिए हर साल रैंडम ड्रग टेस्ट कराने पर विचार कर रही है। यह कदम एयर इंडिया की फुकेत-दिल्ली उड़ान की जांच के बीच उठाया गया है, जिसमें अचानक 300 फुट की ऊंचाई कम होने से 24 लोग घायल हो गए थे। नायडू ने दिल्ली में फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन (फेडेक्स) के इंटीग्रेटेड एयर कार्गो हब के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। नायडू ने कहा कि यह प्रस्ताव एयर इंडिया के दो पायलटों के उड़ान के बाद शुरूआती ड्रग टेस्ट में "नॉन-नेगेटिव" पाए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। इसके बाद एयर इंडिया ने अपने सभी पायलटों की जांच शुरू कर दी है। नायडू ने बताया कि एयर इंडिया के अलावा दूसरी एयरलाइंस कंपनियां भी टेस्ट करा रही हैं। उन्होंने अपने संबोधन में फुकेत-दिल्ली फ़्लाइट से जुड़ी "गंभीर घटना" का ज़िक्र किया और कहा कि विमान दुर्घटना जांच बोर्ड इस मामले की जांच कर रहा है।

पुलिस की नाकामी की कीमत चुका रही जनता थानों में फरियाद,सड़कों पर अपराध

कौशाम्बी में 24 घंटे के अंदर 4 लाशें,खूनी दहशत में जिला, पुलिस की कार्यशैली पर बड़ा सवालिया निशान

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। जिले में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि 24 घंटे के अंदर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चार लाशें मिलने से पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। एक सिर कटी लाश,एक बाग में संदिग्ध शव एक किशोर की फांसी पर मौत और एक विवाहिता की फंदे से लटकी लाश ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है।लगातार हो रही घटनाओ से जनता में खौफ है और पुलिस की नाकामी खुलकर सामने आ रही है।पहली सनसनीखेज वारदात मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के बंधवा रजबर गांव की है,जहाँ एक निमार्णाधीन मकान में चारपाई पर खून से लथपथ सिर कटी लाश मिली। ग्रामीणों ने शव की पहचान स्थानीय निवासी राशिद के रूप में की है। हत्या की बर्बरता देखकर ग्रामीणों की रूह कांप गई।सवाल यह है कि आबादी वाले इलाके में इतनी निर्मम हत्या हो जाती है और पुलिस को भनक तक नहीं लगती। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सिर्फ शव को पोस्टमार्टम भेजकर अपनी औपचारिकता पूरी कर ली,हत्यारे अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। जबकि जान चचाओं के बीच में उनका नाम है।

दूसरी घटना कोखराज थाना क्षेत्र के असदुल्लापुर रोही गांव की है। यहाँ एक बाग में उसी बाग की रखवाली करने वाले युवक प्रद्युम सोनकर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। जो व्यक्ति दिन-रात बाग की रखवाली करता था,उसकी लाश उसी बाग में मिलना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या यह हत्या है या आत्महत्या? यह अपने आप में बड़ा सवाल खड़ा करती है। फील्ड यूनिट साक्ष्य जुटाने की बात कह रही है,लेकिन हकीकत यह है कि पुलिस के पास अभी तक कोई ठोस जवाब नहीं है। तीसरी घटना संदीपन घाट थाना क्षेत्र के कोइलहा मे पूर्व ब्लाक प्रमुख के पशु बाड़े में किशोर की फांसी के फंदे में लाश मिली है आखिर कौन सी स्थिति उत्पन्न हो गई कि किशोर ने आत्महत्या कर लिया चौथी वारदात सैनी कोतवाली के अझुवा वार्ड नं 1 भौंतर की है, जहाँ विवाहिता सीमा देवी का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला।

मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या का सीधा आरोप लगाया है।

मृतका के परिजनों का आरोप है कि पति रोहित समेत चार लोगों ने दो लाख रुपये और बाइक की मांग पूरी न होने पर सीमा की जान ले ली। हालांकि इसके अलावा भी चित्रकूट के युवक की तीन दिन पहले पिपरी थाना क्षेत्र मे संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है और करारी थाना क्षेत्र में विद्युत करंट से भी एक युवक की आज मौत हुई है।

डीएम ने कान्हा गौशाला, करारी का किया निरीक्षण

अधिशासी अधिकारी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के दिए निर्देश

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने आज कान्हा गौशाला,करारी का निरीक्षण कर वहां संरक्षित गोवंशों की स्थिति तथा गौशाला में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान गौशाला में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए अधिशासी अधिकारी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशाला में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी से गौशाला में संरक्षित गोवंशों की संख्या, भूसा एवं हरे चारे की उपलब्धता सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया कि गौशाला में भूसा एवं हरे चारे की पर्याप्त उपलब्धता हर समय सुनिश्चित रखी जाए।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि गौशाला का नियमित रूप से निरीक्षण कर साफ-सफाई, पेयजल, चारा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा जाए। गौशाला में स्थापित सभी सी.सी.टी.वी. कैमरों की क्रियाशीलता सुनिश्चित रखी जाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी से कहा कि गौशाला में संरक्षित गोवंशों की देखभाल एवं व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जाए।

राजकीय जिला पुस्तकालय को और व्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने कार्यालय कक्ष में राजकीय जिला पुस्तकालय समिति की बैठक की।

बैठक में प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष ऋग्वेद सिंह ने कहा कि मुख्य मार्ग से पुस्तकालय तक आने-जाने के लिए संपर्क मार्ग की मरम्मत कराए जाने की आवश्यकता है, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को सम्पर्क मार्ग की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने अधिशासी अधिकारी को सफाई कर्मियों के माध्यम से पुस्तकालय की नियमित साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष से कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुस्तकालय की सदस्यता दिलाई जाए।

बैठक में प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष ने कहा कि पुस्तकालय प्रातः 09 बजे से सायं 05 बजे तक खुला रहता है, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि खुलने एवं बंद होने के समय को और बढ़ाया जाए। बैठक में पुस्तकालय को और अधिक व्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाए जाने का निर्णय लिया गया, ताकि आधिक से अधिक बच्चे लाभान्वित हो सकें।

बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक एल.बी. मौर्य सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने ईवीएम. व वीवी पैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज ई.वी.एम. एवं वी.वी.पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सी.सी.टी.वी. कक्ष का निरीक्षण एवं लॉगबुक का अवलोकन किया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

अयोध्या में 21 अक्टूबर तक लागू रहेगी धारा 163

अयोध्या। जिला मजिस्ट्रेट शशांक त्रिपाठी ने मंगलवार को बताया कि आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए 21 अक्टूबर तक धारा 163 लागू रहेगी। इसका सभी अधिकारियों को कड़ाई से पालन करना होगा।

उन्होंने बताया कि ईद-ए-मिलाद (बारवाफात), रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, विश्वकर्मा पूजा, अनन्त चतुर्दशी, महात्मा गांधी जयंती, महाराजा अग्रसेन जयंती, नवरात्र, महाष्टमी, महानवमी के साथ ही विभिन्न सेवा आयोगों की प्रतियोगी,शैक्षणिक परीक्षाएं आदि आयोजित होना सम्भावित हैं। ऐसी स्थिति में आगामी समय में विभिन्न धार्मिक, राजनैतिक, संगठनों, संस्थाओं, व्यक्तियों के सम्भावित आयोजनों,कार्यक्रमों के साथ ही उल्लिखित त्योहारों,जन्म दिवस, परीक्षाओं, जनपद अयोध्या के विभिन्न मन्दिर, मठ, धर्मशालाओं आदि में आयोजित कार्यक्रमों के दृष्टिगत जनपद में लोक, शान्ति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था एवं जन सुरक्षा बनाये रखना अति आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिले 21 अक्टूबर तक धारा 163 लागू रहेगी।

जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने पार्टी जिला कार्यालय मंझनपुर में पार्टी कार्यकताओं के साथ किया रुद्राभिषेक

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पार्टी जिला कार्यालय मंझनपुर में जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने पार्टी कार्यकताओं के साथ सामूहिक रुद्राभिषेक एवं पूजन अर्चन कर जनपद वासियों के सुख,शांति,एवं समृद्धि हेतु कामना की।

जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने रुद्राभिषेक एवं पूजन अर्चन करते हुए कहा कि जीवन में कितनी भी कठिन परिस्थितियां आएं,हमें धैर्य,संयम और सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नीलकंठ महादेव ने संसार के कल्याण के लिए विष तक को अपने कंठ में धारण कर लिया। यही हमें संदेश देता है कि समाज और राष्ट्रहित में त्याग और सेवा की भावना सर्वोपरि है।सभी जनपदवासियों के जीवन में सुख,शांति,समृद्धि और सद्भाव आए तथा हमारा समाज आपसी प्रेम,भाईचारे और सेवा की भावना से मजबूत हो।इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार शीलू पाण्डेय,भोलेशंकर कुशवाहा,चक्रेश मिश्रा,भूपेंद्र पटेल,नितिन पासी,कमलेश निषाद,विनीता गुप्ता,जिला महामंत्री राकेश पाण्डेय,जगदीश सरोज,ज्योति केसरवानी,जिला मंत्री दिनेश पाण्डेय,दिनेश सोनकर,भास्कर सिंह,फूलमती सरोज,बृजेश लोधी,नरेंद्र पटेल,नगर पालिका अध्यक्ष मंझनपुर बीरेंद्र सरोज फौजी,कोऑपरेटिव चेयरमैन शिवमोहन मौर्य,चेयरमैन सिराथू राजेंद्र कुमार भोला यादव,शांति कुशवाहा,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रतिनिधि संदीप मिश्रा,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह,भैय्यन पासी,नीतू कनौजिया,शिवप्रताप मौर्य,सहित सम्मानित कार्यकर्तागण एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहें।

गैंगस्टर में वांछित शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के नेतृत्व में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा गैंगस्टर में वांछित अभियुक्त को उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

प्रकाश भारती पुत्र उमेश भारती निवासी ग्राम रामगढ थाना औरंगाबाद जनपद बुलन्दशहर ।

एएसपी द्वारा आगामी त्यौहार बारावफात, विवेचना एवं अपराध संबंधी समीक्षा गोष्ठी की आयोजित

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी श्रीमती अमिता सिंह द्वारा आगामी त्यौहार बारावफात के दृष्टिगत कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण उपस्थित रहे।

गोष्ठी के दौरान आगामी त्यौहार को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने, संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बरतने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त अपराध नियंत्रण एवं लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने, वांछित/वारंटियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने तथा अपराधों की रोकथाम हेतु प्रभावी एवं सतर्क पुलिसिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी क्षेत्राधिकारियों को अपने-अपने सर्किल में कानून-व्यवस्था की लगातार समीक्षा करने एवं आगामी त्यौहार के दृष्टिगत पुलिस बल को पूरी तरह सतर्क रखने हेतु निर्देशित किया गया।

ब्रह्मानंद मौदहा बांध में बजा शायरन, नहीं हुए फाटक बंद

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में स्थापित मौदहा ब्रह्मानंद बांध में उस वक्त हड़कंप मच गया जब बांध के फाटक बंद किए जा रहे थे तो एकदम से सायरन की आवाज ने सभी को चौंका दिया। बांध के छह फाटक बंद करने की भरपूर कोशिश की गई पर फाटक बंद नहीं हुए, बांध के फाटक बंद कराने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों ने एड़ी चोटी का जोर लगाया गया, सायरन भी बजता रहा। पर फाटक बंद नहीं हो सके, बांध के फाटक बंद न होने से लगातार पानी बहकर बर्बाद हो रहा है।

बता दे कि महीने पूर्व ही इस बांध में मरम्मत के लिए सिंचाई विभाग ने करोड़ों खर्च किए हुए थे।

मनोज बने राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में हुआ भव्य स्वागत

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पद की दायित्व मिलने के उपरांत मंझनपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया इस दौरान पदाधिकारियों ने उनका माला पहना कर उन्हें बधाई दी इसके बाद नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज पटेल ने सभी का आभार व्यक्त करते कहा कि पार्टी शीर्ष नेतृत्व के द्वारा दिए गए इस जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाऊंगा और पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए पूर्ण संघर्ष करूंगा! तत्पश्चात जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि हमारी कमेटी के उपाध्यक्ष रहे मनोज पटेल को राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन का प्रदेश अध्यक्ष बनाएं जाने पर कौशाम्बी कांग्रेसजन के साथ स्वागत किया हमे यह पूर्ण आशा है कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी !

स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से..पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष नैय्यर रिजवी,उदय यादव,जिला महासचिव मोहम्मद फरमान,श्याम सिंह भदौरिया,जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल हेमंत रावत,नरेंद्र लोधी,फौजिया बानो, रमेश यादव,नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी, नगर अध्यक्ष करारी शकील अब्बास, डाक्टर नईम,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव,ब्लाक अध्यक्ष मूरतगंज राजबहादुर पासी,ब्लाक सरसवा भागीरथी पटेल,ब्लाक अध्यक्ष सिराथू प्रियांशू त्रिपाठी,ब्लाक अध्यक्ष मंझनपुर प्रदीप सिंह पटेल,अंश पाल,शिवलेश मिश्रा, पप्पू अशर्फी लाल, पीयूष पटेल,आश्वाना देवी, जितेन्द्र शर्मा,मुलायम पटेल,धर्मेंद्र सरोज,उमेश कुमार, अखिलेश त्रिपाठी, नौशे आलम अतुल कुमार पासी,व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाश केसरवानी,आयूष यादव,हर्ष पंडा,सत्तू पंडित,मानसिंह, संजय सरोज,संतरा देवी,आरती देवी,रानी देवी,पूजा देवी,केतकी देवी,मीना देवी,सियाराम कश्यप,बाबू लाल,अभिषेक कुमार, सदाशिव पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे.!

हत्या का प्रयास करने वाले वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। थाना सैनी पर वादी राजकुमार पुत्र भोला राजपूत निवासी ग्राम कानेमई थाना सैनी जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि बीती शाम मेरे लड़के पर आरोपी गढ़ द्वारा गाली गलौज कर, जान से मारने की धमकी देते हुए लाठी डण्डा व धारदार हथियार से हमलावर हो गये, जिससे मेरा लड़का गम्भीर रूप से घायल हो गया ।

मंगलवार को थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त लाल सिंह पुत्र बिन्दा प्रसाद निवासी कानेमई थाना सैनी जपनद कौशाम्बी को ससुर खदेरी नदी अझुवा के पास से गिरफ्तार किया गया ।

वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा विद्युत अधिनियम थाना सैनी जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त विक्रमादित्य पुत्र लोकन निवासी कोरियो थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

आगामी रक्षाबंधन के पावन पर्व पर छात्राओं ने एएसपी एवं पुलिस कर्मियों को बांधी राखी, सुरक्षा और विश्वास के अटूट रिश्ते का दिया संदेश

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पवित्र रक्षाबंधन पर्व के पावन उपलक्ष्य में मंगलवार को वीरेन्द्र स्वरूप पब्लिक स्कूल, फतेहपुर के शिक्षकगण एवं छात्राओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कार्यालय स्थित अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर ज्ञान प्रकाश राय के कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर छात्राओं ने अपर पुलिस अधीक्षक एवं अन्य पुलिस अधिकारियों/महिला पुलिस कर्मियों की कलाई पर रक्षासूत्र (राखी) बांधकर उनकी दीघार्यु, स्वास्थ्य एवं यश की कामना की तथा माथे पर तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया।छात्राओं ने इस अवसर पर कहा कि पुलिस समाज की सच्ची रक्षक है और दिन-रात सुरक्षा व्यवस्था में तत्पर रहने वाले पुलिस परिवार के प्रति सम्मान और विश्वास प्रकट करने के उद्देश्य से ही उन्होंने यह पावन पर्व पुलिस अधिकारियों के साथ मनाया। अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय ने छात्राओं के इस आत्मीय प्रयास की सराहना करते हुए सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया, साथ ही उन्होंने 'मिशन शक्ति' के तहत बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबरों (1090, 112 ,1098 आदि) व साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

पुलिस मुठभेड़ में दो गौकशी आरोपी गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। थाना खागा पुलिस एवं हथगांव पुलिस की संयुक्त टीम ने गौवध निवारण अधिनियम से संबंधित मामले में वांछित दो आरोपियों को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में एक आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसे उपचार के लिए सीएचसी हथगांव भेजा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गौकशी में प्रयुक्त औजारों के साथ 315 बोर का तमंचा, खोखा और जिंदा कारतूस बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित एवं वारंटियों की गिरफ्तारी तथा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 24/25 अगस्त की रात थाना खागा और हथगांव पुलिस की संयुक्त टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर टीम ग्राम बरकतपुर के पास ससुर खदेरी नदी के किनारे पहुंची और संदिग्ध व्यक्तियों की घेराबंदी की। पुलिस का दावा है कि रुकने के लिए कहने पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में शहजादे पुत्र दरगाही निवासी ग्राम अमांव, थाना खागा के दाहिने पैर में गोली लग गई। मौके से उसके साथी शीबू उर्फ शाहबाज आलम पुत्र शहजादे निवासी अमांव को भी गिरफ्तार कर लिया गया। घायल शहजादे को उपचार के लिए सीएचसी हथगांव भेजा गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह चाकू, दो कुल्हाड़ी, एक चापड़, दो साल वाला पत्थर, गौवंश को बांधने के लिए रस्सी/डोरी और एक सीकड़ बरामद की। इसके अलावा 315 बोर का एक तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना खागा में मु0अ0सं0 347/2026 के तहत धारा 109 बीएनएस और 3/25 आयुध अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए रवाना किया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण/कन्वर्जेंस समिति की बैठक सम्पन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को एन0आई0सी0 कक्ष में जिला पोषण/कन्वर्जेंस समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने बाल विकास विभाग की विभागीय प्रगति की समीक्षा करते हुये जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि संभव अभियान के पोषण ट्रैकर एवं ई-कवच के बचे हुए 03 इंडीकेटर्स में 75 प्रतिशत एवं 01 इंडीकेटर में 95 प्रतिशत की प्रगति इसी माह लाना सुनिश्चित करें तथा एफ0आर0एस0 एवं टी0एच0आर0 वितरण की प्रगति भी शत प्रतिशत लायें। सैम बच्चों के अभिभावकों के साथ बाल विकास विभाग के सभी अधिकारी व्यक्तिगत सम्पर्क कर एवं उनके श्रेणी में सुधार लाने के विशेष प्रयास करें इस कार्य में स्वास्थ्य विभाग, रॉकेट लर्निंग, पंचायत राज एवं अन्य कन्वर्जेन्स विभागों का पूरा सहयोग लिया जाए तथा विकासखंड पर खण्ड विकास अधिकारी के सहयोग से ग्राम पंचायत के पोषण निधि का इनके सुधार में उपयोग करने की कार्ययोजना बनाते हुये क्रियान्वयन किया जाये साथ ही सैम बच्चों के परिवारों को सभी विभागों की योजनाओं का लाभ दिलाये जाये। इस हेतु स्वास्थ्य विभाग,

पंचायत राज विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग व ग्राम विकास विभाग का सम्मिलित सहयोग लिया जाये।

अपूर्ण आंगनबाड़ी केन्द्रों को शीघ्र पूरा कराने एवं अत्यधिक भूमि विवाद वाले स्थलों को परिवर्तित कराकर उन्हें भी पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये तथा कन्वर्जेन्स योजना के अंतर्गत अवशेष 34 केन्द्रों की स्वीकृति 03 दिवस में लेने के निर्देश दिये गये। रॉकेट लर्निंग द्वारा कुल 44 प्रतिशत केन्द्रों पर आंगनबाड़ी-अभिभावक बैठक की गयी जिसे बढ़ाकर शत प्रतिशत करने तथा रॉकेट लर्निंग की प्रगति की अलग से समीक्षा करने के निर्देश दिये गये।

जिला पंचायत राज अधिकारी को सैम बच्चों की सूची के सापेक्ष उनके परिवार को शौचालय उपलब्ध कराने तथा जिला पूर्ति अधिकारी को राशन कार्ड बनवाने के निर्देश दिये गये। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में 135 प्रतिशत प्रगति के साथ प्रयागराज का प्रदेश में प्रथम रैंक बनाये रखने पर संतोष व्यक्त किया गया एवं सी0एम0 डैशबोर्ड में प्रगति कर ह्यह्यबीह्यह्य से ह्यह्यएह्यह्य श्रेणी में आने के निर्देश दिये गये।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सैम बच्चे किन कारणों से सैम श्रेणी में हैं इसके लिये प्रत्येक बाल विकास परियोजना अधिकारी इसकी व्यापक समीक्षा कर वास्तविक कारणों को रेखांकित कर प्रस्तुत करें, ताकि इसपर रणनीति बनाकर उनमें सुधार लाया जा सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों सहित कन्वर्जेन्स विभागों के अन्य सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

फूलपुर में बारावफात का जुलूस आज

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। नगर पंचायत फूलपुर में हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस पर जुलूस वा जलसा की तैयारी जोरों पर की जा रही है। 26 अगस्त को जुलूसे मोहम्मदी ईदगाह के पास से निकालकर पूरे नगर पंचायत में भ्रमण करते हुए दोपहर को जमीलाबाद मस्जिद पर समाप्त होगा। जिसमें नातिया कलाम पढ़कर नबी की पैदाइश पर खेराजे अकीदत पेश किया जाएगा। इसी प्रकार बाबूगंज,भंभई, कोडापुर ,मिश्रापुर ,मैलहन अगहुआ,हुसामगंज ,अमिलिया आदि गांव में हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस पर हरे परचम के साथ जुलूस निकाला जाएगा। जिसमें सभी वर्गों का सहयोग व शिरकत रहती है।

ब्लॉक गेट पर गंदगी देखकर भड़की नवागंतुक बीडीओ

चंद्रशेखर यादव
सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। विकास खंड बहरिया में तैनात रहीं बीडीओ कविता तिवारी का प्रमोशन हो गया था वर्तमान में उनकी तैनाती जिला विकास अधिकारी जनपद शामली में होने से बहरिया में बीडीओ का पद खाली चल रहा था। उपायुक्त स्वतः रोजगार प्रयागराज शमा सिंह को विकास खंड बहरिया का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। उन्होंने मंगलवार को ब्लॉक मुख्यालय आकर अपना कार्यभार ग्रहण किया। ब्लॉक के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। अधिकारियों और कर्मचारियों से उनका परिचय पूछने के उपरांत बीडीओ ने ब्लॉक परिसर और ब्लॉक गेट के बाहर घूम कर निरीक्षण किया तो ब्लॉक गेट के अगल बगल जमी गंदगी को देखने के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को साफ सफाई कराने का निर्देश दिया और कहा कि अगर भविष्य में कोई गंदगी फैलाता है तो उसके खिलाफ करवाई की जाएगी । इस मौके पर एडीओ एस टी अंशुमान मौर्य, एडीओ ज्ञानेंद्र राय, ग्राम पंचायत अधिकारी दयाराम पटेल , अरुण कुमार कुशवाहा , असगर अली, राजेश कुमार पटेल सहित ब्लॉक के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

महिला अपराध, पॉक्सो एक्ट एवं अन्य गंभीर मामलों में त्वरित निस्तारण हेतु प्रभावी पैरवी करने के लिए कहा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जनपद में लंबित अभियोजन प्रकरणों, गंभीर अपराधों से संबंधित मामलों तथा न्यायालयों में लम्बित वादों के सम्बंध में विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में पिछले माह गंभीर अपराधों में कितने बरी हुए तथा कितने में अपील हुई, के संबध में विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त शासकीय अधिवक्ताओं व अभियोजन संवर्ग के अधिकारियों को जघन्य अपराधों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने के लिए कहा।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी प्रकरणों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से महिला अपराध, पॉक्सो एक्ट, मादक पदार्थों से संबंधित प्रकरणों एवं अन्य गंभीर मामलों में त्वरित निस्तारण हेतु प्रभावी पैरवी करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में सम्मन/तामीला नहीं हो रहा है, उन प्रकरणों में अधिक से अधिक सम्मन तामीला कराकर प्रकरण का निस्तारण सुनिश्चित कराया जाये।

जिलाधिकारी ने लंबित मामलों के कारणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक अभिलेख समय से न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए कहा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर सत्यम मिश्र, संयुक्त निदेशक अभियोजन, जिला शासकीय अधिवक्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मेरा युवा भारत, प्रयागराज द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में तथा उपनिदेशक सुश्री जागृति पाण्डेय जी के निर्देशनानुसार स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत राम दुलारी बच्चू लाल जायसवाल महाविद्यालय, नवाबगंज, अटरामपुर, प्रयागराज में स्वच्छता जनजागरूकता रैली, क्विज प्रतियोगिता, गोष्ठी एवं स्वच्छता शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री दीपक तिवारी जी, वरिष्ठ भाजपा नेता ने बच्चों एवं युवाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपने घर, विद्यालय तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में आर. डी. कॉन्वेंट इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री विजय गुप्ता जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने भी युवाओं का उत्साहवर्धन किया।

क्विज प्रतियोगिता के परिणाम–

प्रथम स्थान – अंशुल गुप्ता
द्वितीय स्थान – मौली नायक
तृतीय स्थान – आकृति मौर्य

विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई।कार्यक्रम को सफल बनाने में सोनू केशरवानी, नीरज पटेल, साधना (पंचायत सहायक), चांदनी पटेल, आदर्श त्रिपाठी, रोशनी विश्वकर्मा, प्रियंशु शुक्ला एवं स्नेहा सिंह का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम का आयोजन सपना साहू, मेरा युवा भारत प्रयागराज, विकास खंड कौड़िहार द्वारा किया गया।

बहरिया में दिव्यांग बच्चों को बांटा गया उपकरण

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। विकास खण्ड बहरिया के बीआरसी सिकंदरा के सभागार में दिव्यांग बच्चों के अभिभावक की पैरेंट्स काउंसलिंग में बच्चे एवं अभिभावक सहित 55 लोग उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम खंड शिक्षा अधिकारी लाल जी शर्मा के निर्देशन पर आयोजित किया गया, संदर्भ दाता राजेश कुमार मिश्र,पूनम पांडेय द्वारा अभिभावक को शैक्षिक पुनर्वास, स्पीच थैरेपी कार्ड, प्रस्तावित उपकरण मापन कार्यक्रम विकास खण्ड कौडिहार में होगा व मानसिक दिव्यांग बच्चों की एडीड हर बुधवार को काल्विन हॉस्पिटल में बनेगा, रिसोर्स पर्सन के रूप में नीतू यादव,विकाश कुमार चौधरी द्वारा अपने कार्य क्षेत्र से अभिभावक को अवगत कराया, उषा पांडेय द्वारा इस विषय पर व उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में अकाउंटेट अर्पित मिश्र,एवं बीआरसी स्टॉप का सहयोग रहा।

दीवानी अधिवक्ता संघ चुनाव : पहले दिन 57 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में दीवानी न्यायालय में आगामी दिनों में होने वाले अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए मंगलवार को नामांकन के पहले दिन अध्यक्ष, मंत्री समेत विभिन्न पदों पर कुल 57 अधिवक्ताओं ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन को लेकर कचहरी परिसर में दिनभर गहमागहमी रही। नामांकन के बाद प्रत्याशियों ने समर्थक अधिवक्ताओं और मतदाताओं के बीच मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया।

इस संबंध में जानकारी लेने पर चुनाव अधिकारियों राजीव कुमार गुप्ता और गौरी शंकर मिश्रा ने बताया कि अधिवक्ता संघ के 15 पदों के लिए कुल 76 अधिवक्ताओं ने नामांकन पत्र लिया था। पहले दिन 57 अधिवक्ताओं ने नामांकन किया, जबकि 19 अधिवक्ताओं का नामांकन अभी शेष है। बुधवार को भी नामांकन

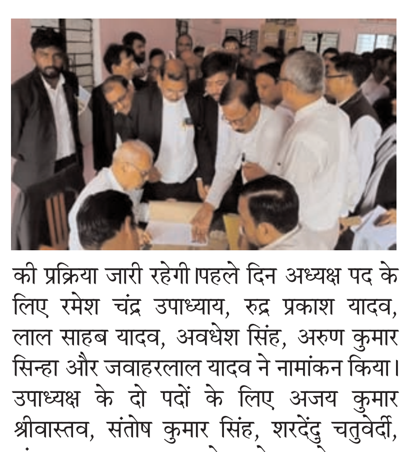

की प्रक्रिया जारी रहेगी।पहले दिन अध्यक्ष पद के लिए रमेश चंद्र उपाध्याय, रुद्र प्रकाश यादव, लाल साहब यादव, अवधेश सिंह, अरुण कुमार सिन्हा और जवाहरलाल यादव ने नामांकन किया। उपाध्यक्ष के दो पदों के लिए अजय कुमार श्रीवास्तव, संतोष कुमार सिंह, शरदेंदु चतुर्वेदी, संजय कुमार गुप्ता, बृजमोहन सेठ, राजेश कुमार मौर्य और मोहम्मद शमीम खां ने पर्चा दाखिल किया।मंत्री पद के लिए मनीष सिंह, कृष्ण मोहन यादव, राजेश कुमार यादव, दिनेश कुमार सिंह, समर बहादुर यादव, यशवंत कुमार ओझा, धनंजय कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार प्रजापति और कृष्णकांत तिवारी ने नामांकन किया।इसके अलावा सहमंत्री पद के लिए चार, ऑडिटर पद के लिए दो, उपमंत्री पद के लिए नौ और कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए 20 अधिवक्ताओं ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ कचहरी परिसर में पहुंचे और चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं से संपर्क करते नजर आए।चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी जीत के लिए मतदाता अधिवक्ताओं से विभिन्न वादे कर रहे हैं। बुधवार को शेष प्रत्याशियों के नामांकन के बाद चुनावी तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

शौच के लिए घर से निकली युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज, प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। युवती की मां ने थाना प्रभारी को तहरीर देकर उसकी सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। तहरीर में एक युवक पर युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने की आशंका जताई गई है।

प्रार्थिनी पीड़िता मा के अनुसार उनकी पुत्री 21 अगस्त को सुबह करीब नौ बजे शौच के लिए घर से निकली थी, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास के गांवों में तलाश करने के साथ ही ग्रामीणों से पूछताछ की।

तहरीर के मुताबिक ग्रामीणों ने बताया कि युवती को एक युवक के के साथ देखा गया था। इसके बाद परिजनों ने उक्त युवक के घरवालों से जानकारी की तो वह भी घर से गायब रहा ।

पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। युवती की बरामदगी और जांच के बाद ही घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

रक्षाबंधन पर यात्रियों से सम्मानजनक व्यवहार करें चालक-परिचालक : एआरटीओ

जौनपुर। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए यात्री वाहनों के संचालन को लेकर परिवहन विभाग ने बस ऑपरेटरों, ऑटो-टेंपो स्टैंड संचालकों और वाहन चालकों-परिचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अजीत सिंह ने बताया कि पर्व के दौरान यात्रियों से सम्मानजनक व्यवहार करने तथा निर्धारित किराए से अधिक वसूली न करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में मंगलवार को उप संभागीय परिवहन कार्यालय, जौनपुर में बैठक आयोजित की गई। इसमें जनपद के बस ऑपरेटरों एवं उनके प्रतिनिधियों के साथ ऑटो-टेंपो स्टैंड संचालक उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों ने निर्देश दिया कि रक्षाबंधन के दौरान स्टैंड से संचालित होने वाले सभी यात्री वाहनों के चालकों और परिचालकों का चरित्र सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए।एआरटीओ ने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए वाहन संचालन में विशेष सावधानी बरती जाए। चालकों को ओवरलोड सवारी न बैठाने, तेज गति से वाहन न चलाने और गलत तरीके से ओवरटेकिंग से बचने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा शराब का सेवन कर वाहन चलाने पर पूरी तरह रोक लगाने तथा यात्रियों के साथ शालीन एवं सम्मानजनक व्यवहार करने को कहा गया।ऑपरेटरों और स्टैंड संचालकों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि यात्रियों से निर्धारित किराए से अधिक धनराशि न वसूली जाए। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि रक्षाबंधन पर्व पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

समाजवादी नेता राहुल यादव का धूमधाम से मनाया गया जन्मदिन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के नेता राहुल यादव का जन्मदिन समर्थकों, ग्रामीणों तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने सोशल मीडिया, फोन कॉल और व्यक्तिगत रूप से पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। समर्थकों ने गर्मजोशी के साथ केक काटकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और राहुल यादव को बुके भेंट कर सम्मानित किया।

जन्मदिन के अवसर पर राहुल यादव ने सभी साथियों, ग्रामवासियों, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं

का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि साथियों और क्षेत्रवासियों का स्नेह एवं समर्थन उनके लिए हमेशा प्रेरणादायी रहेगा।

सोरांव विधानसभा क्षेत्र के समसपुर गांव से निकलकर राहुल यादव ने कम उम्र में ही राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र के साथ-साथ वकालत के पेशे में अपनी पहचान बनाई है। उनके जन्मदिन समारोह में अमृत लाल यादव, जय सिंह यादव, राममूर्ति यादव, राम बहादुर यादव, दिलीप यादव, रामकृपाल यादव, बचऊ लाल यादव, मनीष यादव, गजराज यादव, राजेश यादव, सुरजीत यादव, रवि, सुनील, अनिल, सुमित, अजय, अंकित, रामपुजन, सोनू, सत्यम, मुलायम, नीरज, शिवम, अर्जुन यादव, चन्द्रजीत यादव, अमर राज यादव, मुकेश यादव, हितेश यादव, लक्ष्मण प्रजापति, छंगू पासी, भोनी पासी, सुनील यादव, महेंद्र, प्रभात, धनराज, शुभम, संदीप, गुड्डू, रितेश, नन्दलाल, गनी राम यादव, मोनू सहित सैकड़ों समर्थक एवं शुभचिंतक मौजूद रहे। सभी ने केक काटकर एवं बुके भेंट कर राहुल यादव को जन्मदिन की बधाई दी।

हाईवे पर सस्ता सोना बेचने का झांसा देकर व्यापारी से 18 लाख की लूट

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज, प्रयागराज। सस्ते दाम में सोना बेचने का लालच देकर एक व्यापारी को हाईवे किनारे बुलाकर तमंचे के बल पर 18 लाख रुपये लूट लिए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़ित व्यापारी ने नवाबगंज थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दानियालपुर निवासी पंकज अग्रवाल ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उसकी दुकान पर आने-जाने वाले एक परिचित युवक ने उसे बताया कि उसके एक दोस्त के पास काफी मात्रा में सोना है और उसे पैसों की जरूरत है। वह सोना बाजार भाव से कम कीमत पर बेच देगा।

परिचित की बातों में आकर पंकज ने अपने पत्नी के जेवर गिरवी रखकर तथा दोस्तों और रिश्तेदारों से उधार लेकर करीब 18 लाख रुपये जुटाए। आरोप है कि इसके बाद परिचित युवक पंकज को अंधियारी स्थित रामवन गमन मार्ग पर लेकर पहुंचा। वहां कुछ लोग बोलेरो कार में पहले से मौजूद थे। जैसे ही व्यापारी अपनी क्रेटा कार से वहां पहुंचा, आरोपियों ने उसे जबरन कार से उतारकर बोलेरो में बैठा लिया।

इसी दौरान एक स्विफ्ट कार से तमंचा लिए कुछ अन्य युवक मौके पर पहुंचे और व्यापारी से 18 लाख रुपये छीन लिए। पीड़ित के अनुसार, बदमाशों ने रुपये छीनने के बाद धमकी दी कि वह तत्काल वहां से चला जाए, वरना जान से मार दिया जाएगा। घटना के बाद घबराया और बदहवास व्यापारी घर पहुंचा और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद नवाबगंज थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी गई। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपियों की पहचान करने, लूटे गए रुपये बरामद कराने तथा आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

वृक्षारोपण की शत प्रतिशत जियो टैगिंग पूर्ण करने के डीएम ने दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में एवं प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद कुमार यादव और मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह के तत्वावधान में मंगलवार को संगम सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा सुरक्षा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई

जिला गंगा समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने गंगा एवं सहायक नदियों को प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से सभी संबंधित विभागों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी स्थिति में प्रदूषित पानी गंगा तथा उसकी सहायक नदियों में नहीं जाना चाहिए। इसके लिए शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नदी में गिरने वाले सभी नालों की शीघ्र पहचान कर उनकी टैपिंग सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में नदी से जुड़े नालों पर ध्यान देने और उनके प्रभावी प्रबंधन के निर्देश दिए, ताकि अनुपचारित जल सीधे नदियों में न पहुंचे। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए

कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा समयबद्ध तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा।

बैठक में गंगा संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर भी चर्चा की गई तथा सभी विभागों को जनसहभागिता बढ़ाने और नदी संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी एवं विभाग तत्काल प्रभाव से जियो-टैगिंग का कार्य एक सप्ताह के अंदर पूर्ण करें। पौधों की स्थिति, सुरक्षा और देखभाल का वास्तविक समय में मॉनिटरिंग संभव हो सकेगा। साथ ही जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पौधों की जीवित प्रतिशत बढ़ाने हेतु सुरक्षा व्यवस्था, नियमित जलप्रवाह, कीट-नियंत्रण और स्थानीय समुदायों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

बैठक में मा० राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली के आदेशों के अनुपालन में जनपद प्रयागराज हेतु राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (ठउअढ) की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। इस अवसर पर वायु गुणवत्ता सुधार हेतु संचालित विभिन्न कार्य योजनाओं, वायु गुणवत्ता निगरानी, जन-जागरूकता कार्यक्रमों, हरित क्षेत्र विस्तार एवं प्रदूषण नियंत्रण संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संपादकीय

मोबाइल की घातक चाह का आत्मघाती दलदल और दम तोड़ते नौनिहाल

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर से आई हालिया हृदयविदारक घटना ने आधुनिक समाज की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। एक उन्नीस वर्षीय किशोर ने महज एक महंगे आईफोन की मांग पूरी न होने पर पहाड़ी की चोटी से छलांग लगा दी। उसे बचाने की तीन घंटे की मर्मभेदी कोशिशों के बीच पिता ने उसे पकड़ना चाहा, पर दोनों का संतुलन बिगड़ गया और वे सैकड़ों फीट गहरी खाई में जा गिरे। इस भयावह मंजर को अपनी आंखों से देखने वाली बेबस मां ने भी बदहवास होकर मौत की उसी खाई में छलांग लगा दी। चंद पलों में, एक स्मार्टफोन की जिद ने हंसते-खेलते पूरे परिवार का अस्तित्व ही मिटा दिया। यह कोई अकेली घटना नहीं है। कुछ ही समय पहले गाजियाबाद में तीन सगी बहनों द्वारा डिजिटल लत और मानसिक तनाव के चलते की गई सामूहिक खुदकुशी की घटना ने भी देश को झकझोर दिया था। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में 10 साल के मासूम बच्चे की रील देखते-देखते अचानक दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत ने तो चिकित्सा जगत को भी हैरत में डाल दिया है। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में पुरानी मोबाइल बैटरी के फटने से मासूम की जान जाने का मामला हो या ऑनलाइन गेम में पैसे हारने पर किशोरों द्वारा उठाए जाने वाले आत्मघाती कदम; ये सभी घटनाएं चिल्ला-चिल्लाकर कह रही हैं कि मोबाइल की चाह अब सिर्फ एक लत नहीं, बल्कि हमारे नौनिहालों के लिए एक जानलेवा महामारी बन चुकी है। आखिर वह कोमल बचपन, जो कभी तितलियों के पीछे भागने, कागजों की कश्ती तैरने और गलियों में मिट्टी से सराबोर होने में अपनी खुशी ढूंढता था, आज पांच इंच की इस कांच की स्क्रीन का गुलाम कैसे हो गया? यह सवाल आज हर उस घर का है जहां एक बच्चा चौबीस घंटे अपनी उंगलियों को स्क्रीन पर सरकाता रहता है। सरकार के आधिकारिक आर्थिक सर्वेक्षण तक में इस समस्या को एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में चिह्नित किया चुका है। डॉक्टरों और न्यूरोलॉजिस्ट्स का स्पष्ट मानना है कि किशोरावस्था में बच्चों का मस्तिष्क पूरी तरह विकसित नहीं होता है। ऐसे में अत्यधिक और अनियंत्रित डिजिटल एक्सपोजर उनके सोचने की क्षमता को विकृत कर देता है। उनमें आवेग और चिड़चिड़ापन इस कदर बढ़ जाता है कि वे ना सुनने की क्षमता पूरी तरह खो देते हैं। किसी वस्तु की मांग पूरी न होने पर या ऑनलाइन दुनिया में खुद को कमतर पाने पर वे सीधे अपनी जीवनलीला समाप्त करने जैसा भयावह कदम उठा लेते हैं। इस विकट स्थिति के लिए किसी एक पक्ष को जिम्मेदार ठहराकर हम अपनी सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकते। इसके जिम्मेदार कई स्तरों पर मौजूद हैं। सबसे पहली और प्राथमिक जिम्मेदारी माता-पिता की है। आधुनिक जीवनशैली की भागदौड़, काम के दबाव और अपनी व्यक्तिगत व्यस्तताओं के कारण पेरेंट्स ने स्मार्टफोन को एक सस्ते बेबीसिटर या डिजिटल लोरी के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। बच्चा रोया नहीं कि उसके हाथ में फोन थमा दिया गया, बच्चा खाना नहीं खा रहा तो स्क्रीन पर कार्टून चला दिया गया। शुरूआती दौर में जिस स्क्रीन को बहलावे का साधन समझा गया, वह धीरे-धीरे कब बच्चों के मानसिक तंत्र पर हावी हो गई, इसका अंदाजा अभिभावकों को तब लगता है जब पानी सिर से ऊपर बह चुका होता है। इसके साथ ही, बच्चों के स्क्रीन टाइम और वे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, इस पर प्रभावी निगरानी रखने में पैरेंट्स पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। इस मायाजाल के पीछे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों का व्यावसायिक लालच भी पूरी तरह जिम्मेदार है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, रील्स, शॉर्ट्स और ऑनलाइन बैटल गेम्स का एल्गोरिदम इस तरह से डिजाइन किया जाता है जो सीधे मानवीय मस्तिष्क में डोपामाइन के स्तर को नियंत्रित करे। यह बिल्कुल किसी मादक पदार्थ के सेवन जैसा है। जैसे ही यूजर एक रील स्क्रॉल करता है, उसे एक नया रोमांच मिलता है, जिससे उसे लगातार फोन देखते रहने की लत लग जाती है। इन कंपनियों के पास बच्चों को हानिकारक कंटेंट, साइबर बुलिंग या अश्लीलता से बचाने के लिए कोई ठोस और फुलप्रूफ सुरक्षा फिल्टर मौजूद नहीं हैं।

जिनके घर शीशे के हों वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते

तनवीर जाफरी

देश में इन दिनों छात्रों और युवा पीढ़ी अर्थात ऋील्ल` के छिड़े घमासान के बीच ऋील्ल` को ही केंद्र में रखकर कुछ ऐसे बयान सुनने में आ रहे हैं जिनकी न तो भाषा शालीन है न ही बयान देने वालों का व्यक्तित्व ही ऐसा है जिसे देश में शिक्षा,रोजगार,पारदर्शिता,जवाबदेही,भ्रष्टाचार,लोकतंत्र तथा संवैधानिक मूल्यों को लेकर संघर्षरत युवा पीढ़ी व छात्रों से जोड़ा जा सके। इस संबंध में सबसे दिलचस्प वाकयुद्ध बाबा रामदेव व फिल्म अभिनेत्री व भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत के बीच छिड़ा । इस वाक्युद्ध ने एक दूसरे की पोल पट्टी खोलकर रख दी। गौरतलब है कि बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रही युवा पीढ़ी पर तीखी टिप्पणियां की थीं। कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को गटर जनरेशन कहकर संबोधित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि ह्लऋील्ल` के आंदोलनों के वीडियो देखकर मुझे झटका लगा। मैंने अपनी जिंदगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है ह्व कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे ह्लउल्टी आने जैसाह्व व्यवहार करार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि ह्लयह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकतीं ह्व कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं, जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार की अनुमति देते हैं?

कंगना रनौत के इस बयान की खासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वी चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी। जब बाबा रामदेव से कंगना के गटर जेनरेशन वाले बयान पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कंगना की मानसिक स्थिति, उनकी योग्यता और उनके अतीत पर ही गंभीर सवाल उठा दिये । रामदेव ने कहा कि ह्लउनकी क्वालिफिकेशन (शिक्षा)क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। किसी भी देश के जवानों को और जेन-जी को गटर बोलना यह बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है। यह गलत बात है और उनकी पार्टी (बीजेपी) को इस पर संज्ञान लेना चाहिए ह्व हमेशा भाजपा सरकार की पैरवी करने वाले बाबा रामदेव के इस बयान को लेकर वैसे भी लोग आश्चर्यचकित हैं कि आखिर उन्होंने किस तरह सत्ता के विरोध में आवाज उठाने की हिम्मत जुटाई ? कुछ लोग तो उनके इस बयान की वजह से उन्हें राजनीति का मौसम विज्ञानी भी कहने लगे हैं। बहरहाल सवाल यह है कि रामदेव ने कंगना रानौत को लेकर इतने सारे सवाल एक साथ कैसे और किस आधार पर खड़े किये ? और क्या वजह थी कि रामदेव के इन सवालों से तिलमिलाकर कंगना को भी रामदेव पर तीखे जवाबी बाण छोड़ने पड़े ?

दरअसल कंगना रनौत ने स्वयं अपने अनेक इंटरव्यू में अपने शुरूआती जीवन, चरित्र, नशे और संघर्षों को लेकर बेहद चौंकाने वाले और बेबाक बयान दिए थे। उनके ये बयान समय-समय पर सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में बड़े विवाद की वजह बने हैं।

कंगना रनौत ने साल 2020 में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था।

4 साल से कम उम्र के बच्चों को इस दवाई के पिलाने पर लगाई बंदिश

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर वैश्विक स्तरपर किसी भी देश के लिए केवल सरकार बनाना, सत्ता का संचालन करना और विकास की योजनाएं घोषित करना ही पर्याप्त नहीं है। वास्तविक सुशासन की कसौटी तब सामने आती है,जब सरकार जनहित से जुड़े उन क्षेत्रों में भी लगातारनिगरानी कठोर नियमन और समयबद्ध निर्णय ले, जहां एक छोटी- सी प्रशासनिक चूक किसी नागरिक की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है।स्वास्थ्य और दवाओं की सुरक्षा ऐसा ही अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है।विशेष रूप से छोटे बच्चों के मामले में सरकार,दवा निमार्ता चिकित्सक,फार्मासिस्ट और अभिभावक,सभी की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है।इसी व्यापक जनहित और बाल सुरक्षा की दृष्टि से 22 अगस्त 2026 को केंद्र सरकार द्वारा चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलएफ्रिन हाइड्रोक्लोराइड वाले कुछ फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन पर कड़ा नियामक कदम उठाना महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

सरकार के इस निर्णय का मूल उद्देश्य किसी सामान्य सर्दी-जुकाम को लेकर भय पैदा करना नहीं,बल्कि छोटे बच्चों में ऐसी दवाओं के अनावश्यक अथवा अनुचित उपयोग से संभावित जोखिम को कम करना है। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन दोनों सक्रिय घटकों को मिलाकर बनाए गए फिक्स्ड- डोज कॉम्बिनेशन के संबंध में विशेषज्ञ स्तरपर विचार किया गया और ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड यानी की सिफारिशों के बाद चार वर्ष से कम आयु के बच्चों में इनके उपयोग को लेकर प्रतिबंधात्मक व्यवस्था लागू की गई।इसके साथ निमार्ताओं के लिए लेबल, पैकेजिंग,दवा के साथ उपलब्ध सूचना तथा प्रचार सामग्री पर स्पष्ट आयु-संबंधी चेतावनी देना अनिवार्य किया गया है कि चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ऐसी दवा नहीं दी जानी चाहिए। यह व्यवस्था इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि दवा की सुरक्षा केवल डॉक्टर के कमरे तक सीमित विषय नहीं है; दवा की बोतल और पैकेट पर लिखी स्पष्ट जानकारी भी रोगी सुरक्षा की पहली पंक्ति बन सकती है।

साथियों, मीडिया में जानकारी के अनुसार क्लोरफेनिरामाइन एक एंटीहिस्टामिन दवा है, जिसका उपयोग एलर्जी और सर्दी-जुकाम से जुड़े कुछ लक्षणों में किया जाता रहा है।दूसरी ओर फिनाइलएफ्रिन एक डिकंजेस्टेंट के रूप में नाक बंद होने और जकड़न जैसे लक्षणों को कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इन घटकों का संयोजन कुछ सर्दी-जुकाम तथा ऊपरी श्वसन तंत्र से संबंधित लक्षणों वाली दवाओं में मिलता रहा है।

लेकिन यह समझना आवश्यक है कि किसी दवा का वयस्कों या बड़े बच्चों में इस्तेमाल होना अपने आप यह सिद्ध नहीं करता कि वही दवा बहुत छोटे बच्चों के लिए भी समान रूप से उपयुक्त होगी। बच्चों का शरीर विकसित हो रहा होता है, उनका वजन, चयापचय, अंगों की कार्यप्रणाली और दवाओं के प्रति प्रतिक्रिया उम्र के साथ बदलती है। इसलिए बाल चिकित्सा में दवा की मात्रा, संयोजन और उपयोग की उपयुक्तता को अलग वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखना आवश्यक होता है।यही वह बिंदु है जहां सरकार का नया कदम केवल एक दवा पर लगाया गया प्रतिबंध नहीं, बल्कि रेगुलेटरी प्रीकॉशन यानी संभावित जोखिम को पहले ही नियंत्रित करने की नीति का उदाहरण बन जाता है। यदि किसी विशेष आयु वर्ग के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं और विशेषज्ञ समितियां किसी संयोजन के संभावित जोखिम की ओर संकेत करती हैं, तो नियामक संस्था का दायित्व बनता है कि वह बाजार में उपलब्ध दवाओं के उपयोग१ को स्पष्ट नियमों के माध्यम से सुरक्षित बनाए। खासकर चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के संदर्भ में सावधानी का स्तर अधिक होना स्वाभाविक है, क्योंकि इस आयु वर्ग में माता-पिता अक्सर बच्चे के लक्षणों को देखकर स्वयं दवा देने का प्रयास कर सकते हैं। यहां सर्दी-जुकाम सामान्य बीमारी है जैसी सोच कभी- कभी गलत आत्मविश्वास पैदा कर सकती है।

साथियों, अभिभावकों के लिए भी यह निर्णय एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आया है,बच्चे को दवा देना घरेलू अनुमान का विषय नहीं होना चाहिए।

विशेष रूप से चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को बिना चिकित्सकीय सलाह के सर्दी-जुकाम, खांसी, एलर्जी या नाक बंद होने की दवा देना जोखिमपूर्ण हो सकता है। अभिभावकों को दवा की पैकेजिंग पर दी गई आयु संबंधी चेतावनी पढ़नी चाहिए, दवा की मात्रा स्वयं तय नहीं करनी चाहिए और डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवा को निर्धारित मात्रा तथा अवधि के अनुसार ही देना चाहिए। यदि किसी दवा के लेबल पर चेतावनी दी गई है या बच्चे की उम्र के लिए उपयोग सीमित है, तो उसे नजरअंदाज करना बिल्कुल उचित नहीं है।यहां स्वास्थ्य जागरूकता और डिजिटल युग की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। आज अभिभावक इंटरनेट और सोशल मीडिया से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी तेजी से प्राप्त करते हैं, लेकिन हर ऑनलाइन सलाह चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित नहीं होती।किसी परिचित ने किसी बच्चे को कोई दवा दी और उसे फायदा हुआ इस आधार पर वही दवा दूसरे बच्चे को देना सुरक्षित चिकित्सा पद्धति नहीं है। बच्चे की उम्र, वजन, लक्षण, बीमारी का कारण और अन्य दवाओं के साथ संभावित प्रभाव अलग हो सकते हैं। इसलिए डिजिटल जानकारी को डॉक्टर की सलाह का विकल्प नहीं बनाया जा सकता।

साथियों, सरकार के मौजूदा कदम को पिछले कुछ महीनों में दवा नियमन को लेकर उठाए गए व्यापक प्रयासों की पृष्ठभूमि में भी देखना चाहिए।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार जून 2026 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 16 फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाया था। इसके अतिरिक्त कफ सिरप सहित सिरप को ओवर-द- काउंटर श्रेणी से बाहर करने तथा चिकित्सकीय पर्चे के माध्यम से दवा उपलब्ध कराने से संबंधित नियामक सख्ती का उल्लेख भी सामने आया है। यदि इन कदमों को एक साथ देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि दवा क्षेत्र में सरकार का जोर केवल दवा उपलब्ध कराने पर नहीं, बल्कि दवा कीगुणवत्ता,उपयुक्तता,निगरानी और जिम्मेदार उपयोग पर भी बढ़ रहा है।दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौतों के मामलों ने इस विषय की गंभीरता को और बढ़ाया है। डायथिलीन ग्लाइकोल जैसे विषैले संदूषकों से जुड़े मामलों ने दुनिया को यह याद दिलाया है कि दवा जीवन बचाने का माध्यम है, लेकिन यदि उसके निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण,भंडारण,वितरण या उपयोग में गंभीर लापरवाही हो जाए तो वही दवा जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित विभिन्न स्थानों पर दूषित सिरप से जुड़े बच्चों की मौतों की घटनाओं ने दवा सुरक्षा, गुणवत्ता परीक्षण और नियामक जवाबदेही को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। इसलिए दवा सुरक्षा का अर्थ केवल किसी एक सक्रिय घटक पर प्रतिबंध लगाना नहीं,बल्कि उत्पादन से लेकर मरीज तक पहुंचने की पूरी श्रृंखला पर निगरानी स्थापित करना है।

साथियों, यहां एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि क्या केवल केंद्र सरकार के आदेश से दवा सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से नहीं है। भारत जैसे विशाल और संघीय ढांचे वाले देश में केंद्र के साथ राज्यों के औषधि नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, स्थानीय निरीक्षण तंत्र,अस्पताल, चिकित्सक फार्मासिस्ट और दवा कंपनियां भी समान रूप से जिम्मेदार हैं।केंद्र सरकार द्वारा जारी निर्देश तभी प्रभावी होंगे जब राज्य स्तर पर उनका कठोर अनुपालन सुनिश्चित हो। मेडिकल स्टोर पर प्रतिबंधित या आयु-विशिष्ट दवाओं की बिक्री की नियमित जांच हो, चिकित्सकीय पर्चे की व्यवस्था का वास्तविक पालन हो और नियम तोड़ने वाले निमार्ताओं अथवा विक्रेताओं के खिलाफ समय पर सटीकता से कार्रवाई की जाए।

साथियों,इस पूरी व्यवस्था में दवा कंपनियों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। किसी दवा का उत्पादन केवल इसलिए नहीं किया जाना चाहिए कि बाजार में उसकी मांग है।

पूंजी प्रवाह से सुदृढ़ हुई भारतीय अर्थव्यवस्था

महेन्द्र तिवारी

भारत की अर्थव्यवस्था के लिए यह सप्ताह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि लेकर आया है। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 716.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जो लगभग छह महीने का सर्वोच्च स्तर है। एक ही सप्ताह में इसमें लगभग 9.9 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत की वित्तीय मजबूती, निवेशकों के बढ़ते विश्वास और बाहरी भुगतान क्षमता का स्पष्ट संकेत भी है। लगातार सात सप्ताह से विदेशी मुद्रा भंडार में हो रही वृद्धि यह दशार्ती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बाहरी दबावों का सामना करने के लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक सक्षम होती जा रही है।

विदेशी मुद्रा भंडार को सामान्य भाषा में समझें तो यह किसी राष्ट्र की वह वित्तीय पूंजी है जिसे वह विदेशी मुद्राओं, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में अपनी आरक्षित हिस्सेदारी के रूप में सुरक्षित रखता है। जिस प्रकार किसी परिवार के पास कठिन समय के लिए बचत होती है, उसी प्रकार किसी देश के लिए विदेशी मुद्रा भंडार आर्थिक संकट, युद्ध, प्राकृतिक आपदा, आयात भुगतान और मुद्रा स्थिरता के समय सुरक्षा कवच का कार्य करता है। यही कारण है कि विश्व के विकसित और उभरते हुए सभी देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत रखने का प्रयास करते हैं।

भारत के भंडार में आई इस वृद्धि का सबसे बड़ा कारण लगातार बढ़ता विदेशी पूंजी प्रवाह है। पिछले कुछ महीनों में भारतीय रिजर्व बैंक ने ऐसी कई नीतिगत पहल कीं जिनका उद्देश्य देश में विदेशी मुद्रा का आगमन बढ़ाना था। सरकारी कंपनियों और बैंकों के विदेशी ऋणों के लिए विनिमय जोखिम को कम करने वाली सुविधाएं दी गईं तथा विदेशों से जमा जुटाने वाले बैंकों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया गया। इन उपायों के परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भारत आई और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा रिजर्व बैंक के भंडार में जुड़ गया।

विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों का होता है। वर्तमान वृद्धि में भी लगभग 7.2 अरब डॉलर की बढ़ोतरी इसी हिस्से में हुई है। इसके अतिरिक्त स्वर्ण भंडार का मूल्य भी लगभग 2.7 अरब डॉलर बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में मजबूती का लाभ भारत को मिला है। दूसरी ओर विशेष आहरण अधिकार में मामूली परिवर्तन देखने को मिला, किंतु उसका समग्र प्रभाव नगण्य रहा। कुल मिलाकर यह वृद्धि संतुलित और व्यापक आधार वाली मानी जा रही है।

यह प्रश्न स्वाभाविक है कि विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने से आम नागरिक को क्या लाभ होता है। इसका सबसे पहला प्रभाव रुपये की स्थिरता पर पड़ता है। जब किसी देश के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा होती है, तब उसका केंद्रीय बैंक आवश्यकता पड़ने पर बाजार में डॉलर बेचकर रुपये की अत्यधिक गिरावट को रोक सकता है। यदि विदेशी मुद्रा का भंडार कमजोर हो तो आयात महंगे हो जाते हैं, पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दबाव बढ़ता है तथा महंगाई तेजी से बढ़ सकती है। मजबूत भंडार इन जोखिमों को काफी हद तक नियंत्रित करने में सहायता करता है। भारत विश्व के सबसे बड़े ऊर्जा आयातकों में शामिल है। कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, उर्वरक और अनेक औद्योगिक कच्चे माल के लिए विदेशी मुद्रा में भुगतान करना पड़ता है। यदि वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें अचानक बढ़ जाएं या अंतरराष्ट्रीय व्यापार में संकट उत्पन्न हो जाए, तब विदेशी मुद्रा भंडार देश को बिना घबराहट के आयात जारी रखने की क्षमता देता है। इसका सीधा लाभ उद्योगों, परिवहन, कृषि और अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचता है। इसलिए विदेशी मुद्रा भंडार केवल बैंक की तिजोरी में रखा धन नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों का मौन संरक्षक भी है।

वर्तमान उपलब्धि का एक दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष निवेशकों का विश्वास है। जब विदेशी निवेशक किसी देश में निवेश करने का निर्णय लेते हैं, तब वे केवल बाजार के आकार को नहीं देखते, बल्कि उस देश की बाहरी वित्तीय स्थिति, मुद्रा की स्थिरता और भुगतान क्षमता का भी मूल्यांकन करते हैं। 716.9 अरब डॉलर का भंडार यह संदेश देता है कि भारत अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने में सक्षम है और अचानक आने वाले वैश्विक वित्तीय झटकों का सामना कर सकता है। यही विश्वास प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और पूंजी बाजार में निवेश दोनों को प्रोत्साहित करता है।

कमजोर मानसून ने बढ़ाई किसानों की चिंता, खरीफ फसलों पर मंडराया संकट

गोपेन्द्र नाथ भट्ट

राजस्थान में इस बार मानसून की चाल उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने से खरीफ फसलों को लेकर किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। राज्य में बारिश का वितरण असमान रहने और कई इलाकों में लंबे अंतराल के बाद वर्षा होने से खेतों में नमी का संकट पैदा हो रहा है। 21 अगस्त तक राजस्थान में सामान्य 323.91 मिलीमीटर के मुकाबले 278.28 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई, जो सामान्य से 14.1 प्रतिशत कम है। राज्य के 41 जिलों में 19 जिले वर्षा की कमी वाले, 18 सामान्य और चार अधिक वर्षा वाले रहे हैं।

मानसून की इस बेरुखी का सबसे सीधा असर खरीफ फसलों पर दिखाई दे रहा है। बाजरा, मक्का, ज्वार, मूंग, मोठ, तिल, ग्वार, कपास और सोयाबीन जैसी फसलें काफी हद तक मानसूनी बारिश पर निर्भर हैं। समय पर और पर्याप्त बारिश नहीं होने से जहां कुछ क्षेत्रों में बुवाई प्रभावित हुई, वहीं पहले बोई जा चुकी फसलों के सामने भी अब पर्याप्त नमी बनाए रखने की चुनौती है।

जुलाई में ही कृषि विशेषज्ञों ने राजस्थान में अनियमित बारिश के कारण खरीफ बुवाई की रफ्तार पिछले वर्ष की तुलना में 20 से 25 प्रतिशत तक कम रहने का अनुमान जताया था।

राजस्थान में मानसून की सबसे बड़ी समस्या केवल बारिश की कमी नहीं, बल्कि उसका असमान वितरण है। पूर्वी राजस्थान के कुछ जिलों में अच्छी बारिश से खरीफ फसलों को राहत मिली है। हालिया बारिश के बाद भरतपुर, करौली, गंगापुर सिटी, डीग और सवाई माधोपुर जैसे क्षेत्रों में बड़े क्षेत्र में बोई गई बाजरा और तिलहन फसलों को लाभ मिला।

इसके विपरीत दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में स्थिति अधिक चिंता पैदा कर रही है। 21 अगस्त तक जोधपुर संभाग में बारिश की कमी 23.29 प्रतिशत और कोटा संभाग में 20.37 प्रतिशत दर्ज की गई। उदयपुर और कोटा संभाग जैसे कृषि प्रधान क्षेत्रों में वर्षा की कमी का असर फसलों की बढ़वार और उत्पादन पर पड़ सकता है।

खरीफ फसलों के लिए अगस्त और सितंबर की बारिश बेहद महत्वपूर्ण होती है। इस दौरान पर्याप्त वर्षा होने पर खेतों में नमी बनी रहती है और फसलें दाना एवं फलियां बनने की अवस्था तक बेहतर तरीके से पहुंचती हैं। यदि बारिश का लंबा अंतराल बना रहा तो पौधों की वृद्धि रुकने, उत्पादन घटने और कुछ क्षेत्रों में दोबारा बुवाई अथवा अतिरिक्त सिंचाई की जरूरत पैदा होने की आशंका बढ़ सकती है।

हालांकि मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राजस्थान में मानसून के अभी कुछ दौर शेष हैं और पूर्वी हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना बनी हुई है। इसलिए किसानों के लिए फिलहाल उम्मीद पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

महंगाई काबू में है, बस आम आदमी का बजट बेकाबू है

प्रो. आरके जैन अरिजीत

रसोई का दरवाजा खुलते ही आज सबसे पहले बजट नजर आता है। चीनी महँगी है, तेल जेब का हिसाब बिगाड़ रहा है, दाल का हर निवाला सोचकर खाना पड़ रहा है और सब्जियों के बढ़ते दाम थाली का संतुलन बिगाड़ रहे हैं। दूध की मलाई अब सामान्य सुविधा नहीं रही। महंगाई ने सवाल बदल दिया है—पहले पूछा जाता था, आज क्या पकाएँ; अब सोचना पड़ता है, क्या छोड़ें। रोटी अब सिर्फ भोजन नहीं, मासिक बजट का हिस्सा बन गई है। जरूरी चीजें महँगी हों तो सबसे पहले बचत घटती है, फिर इच्छाएँ सीमित होती हैं। सहनशीलता को ताकत कहा जाता है, लेकिन लगातार बढ़ती कीमतों के बीच वही मजबूरी बन जाती है।

सरकारी दावों और बाजार की हकीकत के बीच दूरी साफ दिखती है। महंगाई नियंत्रण में होने की बात कही जाती है, लेकिन किराने की दुकान पर उसका असर नहीं दिखता। आँकड़े प्रतिशत में राहत दिखा सकते हैं, पर परिवार का बजट रुपये में चलता है। दाल महँगी हो तो वैश्विक कारण, तेल बढ़े तो अंतरराष्ट्रीय बाजार का हवाला मिलता है। सवाल है, सस्ताई के समय यही वैश्विक परिस्थितियाँ असरदार क्यों नहीं दिखतीं? आम आदमी बिना किसी आर्थिक डिग्री के महंगाई समझता है। चीनी, तेल, दूध और प्याज के भाव से वह महीने का अनुमान लगाता है। उसके लिए महंगाई कोई आर्थिक शब्द नहीं, रोज का अनुभव है। यही सरकारी भाषा और रसोई की भाषा के बीच बढ़ते भरोसे के अंतर की वजह है।

महंगाई ने ऐसा मध्यमवर्ग खड़ा कर दिया है जिसकी आय स्थिर है, लेकिन जरूरतों की कीमत लगातार बढ़ रही है। कागज पर वह गरीब नहीं, पर महीने के अंत में आय-व्यय का हिसाब उसे असुरक्षित कर देता है। घरों में अब बच्चों को उन दिनों की सस्ती चीजों के बारे में बताना पड़ता है, जो कभी सामान्य थीं। सस्ता शब्द धीरे-धीरे अनुभव से निकलकर स्मृति बन रहा है। महंगाई का असर सिर्फ थाली पर नहीं, बचत, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं पर भी पड़ता है। आय का बड़ा हिस्सा जरूरी खर्च में जाए तो सपनों की जगह अपने आप छोटी हो जाती है। इस दबाव को केवल औसत आँकड़े पूरी तरह नहीं समझा सकते।

महंगाई पर नियंत्रण के उपायों की कमी नहीं, लेकिन नतीजे सीमित हैं। गोदाम खोलने, आयात बढ़ाने, जमाखोरी पर कार्रवाई, बैठकों और घोषणाओं की खबरें आती रहती हैं। सरकारें कदम उठाती हैं, लेकिन उपभोक्ता को राहत तभी मिलती है जब बाजार की कीमत घटे। चुनावों में महंगाई रोकने के वादे होते हैं, फिर कुछ समय बाद वही चिंता लौट आती है। समस्या यह नहीं कि सरकार कुछ नहीं करती, बल्कि यह है कि प्रयास और आम आदमी को मिली राहत के बीच दूरी बनी रहती है। नियंत्रण की घोषणा तभी सार्थक है, जब उसका असर किराने की सूची पर दिखे। चीनी की पुड़िया और तेल की बोतल भाषण नहीं, कीमत समझते हैं।

महंगाई ने परिवार की बातचीत और प्राथमिकताएँ बदल दी हैं। पहले घरेलू बजट एक व्यवस्था था, अब वह बदलती कीमतों से जूझता हिसाब बन गया है। पत्नी सब्जी, तेल और चीनी का अनुमान लगाती है, पति वेतन और बाकी खर्च का। समस्या एक ही है—जरूरतें अनेक, पैसा सीमित। कई परिवारों को भोजन की गुणवत्ता, बचत और छोटी इच्छाओं में से चुनाव करना पड़ता है। महंगाई सिर्फ चीजें महँगी नहीं करती, परिवार के फैसले भी बदलती है। आय का बड़ा हिस्सा जरूरी खर्च में जाए तो शिक्षा, स्वास्थ्य, यात्रा और आकस्मिक जरूरतों के लिए पैसा कम पड़ता है। यही रोजमर्रा का दबाव महंगाई को आर्थिक से बढ़ाकर सामाजिक समस्या बनाता है।

बढ़ती कीमतों ने आर्थिक दूरी को समझने का तरीका बदल दिया है। अब केवल आय नहीं, यह भी देखना जरूरी है कि उस आय से परिवार कितनी जरूरतें पूरी कर पा रहा है। महंगाई का असर गरीब पर सबसे तीखा है, क्योंकि उसकी आय का बड़ा हिस्सा भोजन और जरूरी वस्तुओं पर खर्च होता है। मध्यमवर्ग भी इससे अछूता नहीं, क्योंकि उसकी बचत और भविष्य की योजनाएँ प्रभावित होती हैं।

वाराणसी में भारी बहाईकोर्ट ने यूपी नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021 के कई प्रावधानों को घोषित किया असंवैधानिक

प्रयागराज।
इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021 के कई अहम प्रावधानों को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है। यह निर्णय न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह एवं न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने इंद्र भूषण साहनी व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया है।
कोर्ट ने माना कि यह कानून संविधान की समवर्ती सूची के अंतर्गत आता है और केंद्रीय कानून, सम्पत्ति अंतरण अधिनियम 1882 तथा प्रांतीय लघु वाद न्यायालय अधिनियम 1887 के प्रावधानों के विपरीत होने के बावजूद इसके लिए संविधान के अनुच्छेद 254(2) के तहत राष्ट्रपति की पूर्व सहमति नहीं ली गई थी।
कोर्ट ने अधिनियम की धारा 8 (देय किराया), धारा 9 (किराया संशोधन), धारा 10 (विवाद की स्थिति में किराया प्राधिकरण द्वारा किराया निर्धारण), धारा 38 और धारा 42 (अधिनियम का अन्य कानूनों पर प्रभावी होना) को असंवैधानिक घोषित किया है। कोर्ट ने रेंट अथॉरिटी द्वारा धारा 10 के तहत किराया बढ़ाने और बेदखली से संबंधित आदेशों को रद्द कर दिया। साथ ही स्पष्ट किया कि आदेश की तिथि तक जिन मामलों में कोई कानूनी चुनौती नहीं दी गई थी और जो प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं (जैसे निष्पादित एग्रीमेंट या निर्धारित किराया), वे सुरक्षित रहेंगी। हालांकि आगे के अधिकार पुराने कानून और केंद्रीय कानूनों के तहत तय होंगे। नए कानून के मुख्य प्रावधानों के रद्द होने के बाद पुराना कानून यानी उत्तर प्रदेश शहरी भवन (किराये पर देने, किराया तथा बेदखली का विनियमन) अधिनियम 1972 स्वतः प्रभाव में आ जाएगा।

चांदपुर इंडस्ट्रियल क्षेत्र में मकान की दीवार गिरी,मलबे में दबकर पति–पत्नी की मौत

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सोमवार पूरी रात हुई बारिश ने जमकर कहर बरपाया। इसमें जनधन की भारी क्षति हुई है। बारिश से मंगलवार तड़के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के चांदपुर इंडस्ट्रियल क्षेत्र के पोस्ट ऑफिस के समीप एक मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। मलबे में दबने से पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान रविन्द्र मिश्र (62 वर्ष) और उनकी पत्नी प्रतिभा देवी (55 वर्ष) के रूप में हुई है।
मिली जानकारी के अनुसार,पति–पत्नी मूल रूप से झारखंड के गढ़वा जिले के डुमरिया गांव के रहने वाले थे। वे पिछले कई वर्षों से चांदपुर इंडस्ट्रियल क्षेत्र में रहकर मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। उनका बेटा आनंद भी चांदपुर की ही एक कंपनी में काम करता है। सोमवार की रात उसकी नाइट ड्यूटी थी। अलसुबह ड्यूटी कर आनंद बारिश में भींगते हुए घर पहुंचा तो घर की दिवार गिरी देख चौक गया। अंदर गया तो अपने माता–पिता को मलबे में दबा देखा तो शोर मचाया। पड़ोसियों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंची और एनडीआरएफ कर्मियों की मदद से दोनों को मलबे से बाहर निकलवाया। तब तक दोनों की मौत हो गई थी। मंडुवाडीह थाना प्रभारी अजय राज वर्मा के अनुसार दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया बारिश के कारण दीवार कमजोर होने से हादसा हुआ है। मामले की जांच की जा रही है।

महंगाई, बेरोजगारी और जनसमस्याओं के मुद्दों को पीछे कर जनता को उलझाना चाहती है भाजपा : अखिलेश यादव

लखनऊ।
समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सभी राजनीतिक दल चुनाव की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन चुनाव समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच ही होगा। जनता अब भाजपा सरकार को हटाना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता को असली मुद्दों से भटकाना चाहती है। वंदे मातरम् के मुद्दे में लोगों को उलझाकर भाजपा महंगाई, बेरोजगारी और जनसमस्याओं जैसे मुद्दों को पीछे करना चाहती है। भाजपा जनता को उलझाना चाहती है।
सपा अध्यक्ष सोमवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है। भाजपा सरकार ने त्योहार में मंहगाई और बढ़ा दी है। अपने लोगों को मुनाफा कराने के लिए चीनी महंगी कर दी। भाजपा को जनता की चिंता नहीं है, बल्कि उद्योगपतियों को

मुनाफा दिलाना है। उन्होंने कहा कि पहले बोरी में खाद चोरी हो रही थी, अब पूरी बोरी ही गायब हो गई है।
अखिलेश यादव ने कहा कि लखनऊ में पशुपालकों के साथ अमानवीय व्यवहार एवं शोषण हो रहा है। लखनऊ के बुद्धेश्वर में नगर निगम ने पशुपालकों की 350 भैंसे जब्त कर ली है। भैंस पालने वालों को परेशान किया जा रहा है। प्रशासन अपनी नाकामी छुपाने के लिए डेयरी संचालकों का उत्पीड़न कर रहा है। सरकार इस अन्याय को बद करें।
उन्होंने कहा कि भाजपा वाले अपनी सीटें तक नहीं बांट पा रहे थे, इसलिए उनकी सीटें मैंने बांट दीं। भाजपा सरकार के विकास कार्यों पर सवाल उठाते हुए कहा कि गोरखपुर एक्सप्रेस-वे सात हजार करोड़ रुपये में बनाया गया। वह जगह-जगह उखड़ गयी। इसी तरह से गंगा एक्सप्रेस-वे ढह गया और लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे भी फिर धंस गया। उन्होंने कहा कि जिस तरह की सड़कें बनाई जा रही हैं, उससे विकास के दावों पर सवाल खड़े होते हैं।
सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। आज विद्यालयों की हालत क्या हो गई है? हम चाहते हैं कि बच्चों को गर्म खाना मिले। समाजवादी पार्टी की सरकार में जो बर्तन खरीदे गए थे, वही आज भी चल रहे हैं। दस साल पुराने गिलास अभी भी इस्तेमाल हो रहे हैं। सरकार को बच्चों की शिक्षा और उनकी सुविधाओं पर ध्यान देना चाहिए।
अखिलेश यादव ने प्रभु श्रीराम के धन की चोरी करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा की नीतियों और कार्यप्रणाली से परेशान है और अब भाजपा को हटाना चाहती है। आने वाले चुनाव में जनता इसका जवाब देगी।
सपा अध्यक्ष ने कहा कि आरक्षण था, आरक्षण है और आरक्षण आगे भी रहेगा।इस अवसर पर लखनऊ के बुद्धेश्वर में डेयरी संचालकों ने अपनी मांगों को लेकर अखिलेश यादव से मुलाकात की और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। अखिलेश यादव ने पीड़ित पशुपालकों की हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

पीएम सूर्य घर योजना को गति देने में जुटा प्रयागराज, 25,452 सौर संयंत्र स्थापित

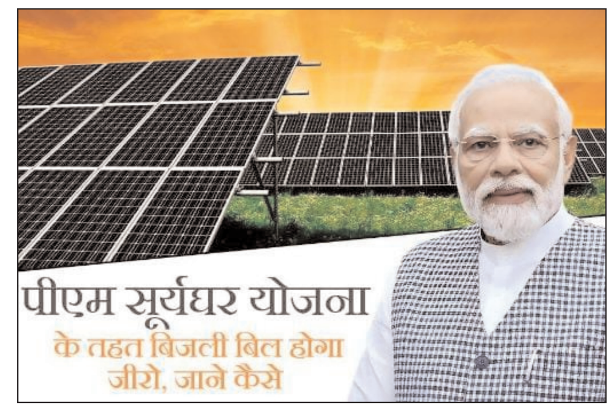

प्रयागराज।
प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत प्रयागराज में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। जिले में योजना के तहत अब तक 35,345 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 25,452 लाभार्थियों के घरों में सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं, 22,363 लाभार्थियों के खातों में सब्सिडी की धनराशि भी भेजी जा चुकी है।
योजना को और गति देने के लिए विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, पिछले करीब 20 दिनों से स्मार्ट मीटर की उपलब्धता प्रभावित होने के कारण कुछ स्थानों पर सौर संयंत्रों की स्थापना का कार्य प्रभावित हो रहा है। स्मार्ट मीटर उपलब्ध नहीं होने से संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया पूरी करने में परेशानी आ रही है। इससे योजना की प्रगति पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।
इस संबंध में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता को स्मार्ट मीटर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। विभाग की ओर से भी समस्या के समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ समय से मिल सके और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जिले की प्रगति बनी रहे। अतिरिक्त सौंदर्य ऊर्जा, नेडा की नोडल अधिकारी कोमिल द्विवेदी ने बताया कि योजना के तहत जिन वेंडरों को वर्क ऑर्डर मिल रहे हैं, वे अपनी क्षमता के अनुसार पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं और लाभार्थियों को सब्सिडी का लाभ भी मिल रहा है।

नवाचार, रचनात्मकता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रेरक केंद्र बना कंपोजिट विद्यालय मातीपुर

मुरादाबाद।
सीखने को प्रयोगों से, पढ़ाई को रचनात्मकता से और विद्यालय को बच्चों की प्रतिभा के मंच से जोड़ा जाए, तो शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रहती। जनपद मुरादाबाद के विकासखंड मूढापांडे का कंपोजिट विद्यालय मातीपुर उर्फ मैनी इसी सोच को साकार करते हुए नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की प्रेरणादायी मिसाल बन रहा है।
कंपोजिट विद्यालय मातीपुर उर्फ मैनी मूढापांडे में वर्तमान में 162 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और पिछले तीन वर्षों से नामांकन में निरंतर वृद्धि हो रही है। प्रधानाध्यापिका मंजू रानी सैनी ने सोमवार को बताया कि विद्यालय में ऐसे नवाचार किए जा रहे हैं, जिनका सीधा प्रभाव बच्चों की उपस्थिति, सीखने की क्षमता और शैक्षिक गुणवत्ता पर दिखाई दे रहा है। नवाचार के क्षेत्र में उन्हें जनपद में प्रथम स्थान तथा शिक्षण में आईसीटी के प्रभावी प्रयोग के लिए जनपद में तृतीय स्थान प्राप्त हो चुका है।

पढ़ाई बनी रोचक, बच्चे बने सक्रिय सीखने वाले :
विद्यालय में टीएलएम, गतिविधि आधारित शिक्षण, खेल-खेल में शिक्षा, कॉन्सेप्ट मैपिंग और आईसीटी का नियमित प्रयोग किया जाता है। प्रत्येक शनिवार को रीडिंग कैंपेन, चित्रकला, पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिताओं जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच मिलता है। प्रतिदिन समाचार पत्र वाचन और प्रार्थना सभा में सामान्य ज्ञान के प्रश्न बच्चों में पढ़ने की आदत और ज्ञान के विस्तार को बढ़ावा देते हैं।

कक्षा से आगे, हर क्षेत्र में उपलब्धियों की उड़ान :
विद्यालय के विद्यार्थी खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

हरिहरनाथ मंदिर जल चढ़ाने जा रहे गणेश चौथ समिति पदाधिकारियों को पुलिस ने रोक दिया

बिजनौर।
जनपद बिजनौर से सम्भल के हरिहर नाथ मंदिर में जल चढ़ाने के लिए जा रहे गणेश चौथ समिति धामपुर के पदाधिकारियों को पुलिस ने धामपुर शुगर मिल तिराहा पर बैरीकेडिंग कर रोक दिया। पुलिस की कार्रवाई के बाद मौके पर काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा। समिति पदाधिकारियों ने शांतिपूर्वक मंदिर जाने और जलाभिषेक करने की अनुमति देने की मांग की।
बताया गया कि गणेश चौथ समिति धामपुर के पदाधिकारी करीब छह सात वाहनों के काफिले के साथ धामपुर से स्योहारा काठ मुरादाबाद होते हुए संभल स्थित हरिहर नाथ मंदिर के लिए रवाना हुए थे। समिति पदाधिकारियों का कहना है कि वे काफी वर्षों से लगातार हरिहर नाथ मंदिर में जल चढ़ाने के लिए जाते रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें पुलिस द्वारा रास्ते में रोक दिया जाता है। इस बार भी पदाधिकारी धार्मिक आस्था के अनुसार शांतिपूर्वक जल चढ़ाने के उद्देश्य से मंदिर के लिए रवाना हुए थे।
समिति पदाधिकारियों के अनुसार प्रशासन को उनके कार्यक्रम की

जानकारी पहले से थी। उनका आरोप है कि सोमवार सुबह करीब छह बजे से ही पुलिस द्वारा पदाधिकारियों के घरों और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। जैसे ही समिति के पदाधिकारी अपने वाहनों के साथ धामपुर से स्योहारा की ओर रवाना हुए और आगे संभल स्थित हरिहर नाथ मंदिर जाने लगे, पुलिस ने स्योहारा मार्ग में बैरीकेडिंग लगाकर उन्हें रोक लिया।
पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद समिति पदाधिकारियों और पुलिस के बीच तीखी बहस हुई। पदाधिकारियों ने पुलिस से कहा कि वे किसी प्रकार का विवाद या अशांति नहीं चाहते हैं। उनका उद्देश्य केवल शांतिपूर्वक हरिहर नाथ मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करना है।
आगे जाने की अनुमति नहीं मिलने पर समिति के पदाधिकारी सड़क पर ही बैठ गए और ह्लहरिहर मंदिर जाएंगे, जल वहीं चढ़ाएंगेह्व जैसे नारे लगाने लगे। मौके पर काफी देर तक समझाने-बुझाने और बातचीत का दौर चलता रहा। समिति पदाधिकारियों ने प्रशासन से शांतिपूर्ण तरीके से मंदिर पहुंचने की अनुमति देने का अनुरोध किया।
गणेश चौथ समिति के संयोजक विजय जैन ने कहा कि समिति के पदाधिकारी वर्षों से धार्मिक आस्था के अनुसार हरिहर नाथ मंदिर में जल चढ़ाने जाते रहे हैं।

यूपी को चार क्रिकेट टीमें देने की मांग, पूर्व मंत्री एवं रणजी क्रिकेटर मोहसिन रजा ने बीसीसीआई के सामने उठाया मुद्दा

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यमंत्री एवं पूर्व रणजी क्रिकेटर मोहसिन रजा ने उत्तर प्रदेश की विशाल आबादी और यहां मौजूद क्रिकेट प्रतिभाओं को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सामने एक बार फिर प्रदेश को कम से कम चार क्रिकेट टीमों का प्रतिनिधित्व देने की मांग रखी है। उन्होंने मंगलवार को जारी अपने बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन सीमित अवसरों के कारण

बड़ी संख्या में खिलाड़ी उच्च स्तर तक पहुंचने से वंचित रह जाते हैं। मोहसिन रजा ने कहा कि करीब 25 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में क्रिकेट खेलने वाले प्रतिभाशाली युवाओं की संख्या भी बहुत बड़ी है।
यदि इस प्रदेश को एक अलग देश माना जाए तो आबादी के लिहाज से यह दुनिया के सबसे बड़े देशों में शामिल होगा। ऐसे में इतने बड़े प्रदेश के लिए केवल एक प्रमुख टीम का होना प्रतिभाओं के साथ न्याय नहीं करता।
उन्होंने मांग की कि रणजी ट्रॉफी के साथ-साथ अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 जैसे आयु वर्गों में भी उत्तर प्रदेश की कम से कम चार टीमें बनाई जानी चाहिए। इससे प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिलेंगे।
पूर्व रणजी क्रिकेटर ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण और छोटे शहरों में बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इनमें प्रतिभा और क्षमता होने के बावजूद सीमित अवसरों के कारण वे राज्य, आईपीएल और भारतीय टीम के उच्च स्तर तक नहीं पहुंच पाते। टीमों की संख्या बढ़ने से ऐसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा साबित करने का मंच मिलेगा।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर लगातार घटा, सभी तटबंध सुरक्षित

प्रयागराज।
विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में लगातार कमी आने से प्रयागराज में बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ है। जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार दोनों नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से करीब पांच मीटर नीचे है। जिले के सभी तटबंध पूरी तरह सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटे में गंगा और यमुना के जलस्तर में करीब 38 से 42 सेंटीमीटर तक की कमी दर्ज की गई है।
प्रयागराज में बाढ़ के खतरे का निशान 84.734 मीटर है। मंगलवार सुबह आठ बजे यमुना का जलस्तर नैनी में 79.74 मीटर दर्ज किया गया। यहां पिछले 24

घंटे में 42 सेंटीमीटर की कमी आई है। नैनी क्षेत्र में इस दौरान 14.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।
इसी तरह गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 80.69 मीटर रहा। यहां भी पिछले 24 घंटे में 42 सेंटीमीटर की गिरावट दर्ज की गई। फाफामऊ में इस अवधि में 28.7 मिलीमीटर बारिश हुई।
छतनाग में गंगा का जलस्तर 79.28 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे की तुलना में 39 सेंटीमीटर कम है। यहां 18 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वहीं एसटीपी-बक्सी बांध पर जलस्तर 79.90 मीटर रहा और यहां भी 24 घंटे में 38 सेंटीमीटर की कमी आई।

प्रशासन की निगरानी जारी
जिला प्रशासन के अनुसार नदियों के जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज होने से स्थिति सामान्य बनी हुई है। सभी तटबंध सुरक्षित हैं और प्रशासन की ओर से जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। संबंधित विभागों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।
गंगा-यमुना के जलस्तर में आई इस गिरावट से नदी किनारे रहने वाले लोगों को राहत मिली है। प्रशासन की निगरानी और नदियों के घटते जलस्तर के बीच फिलहाल प्रयागराज में बाढ़ का कोई तत्काल खतरा नहीं है।

जर्जर दीवार गिरने से टीन शेड में सो रहे परिवार के पांच लोग दबे

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छीतापुर में सोमवार देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। घर के आंगन में टीन शेड के नीचे सो रहे एक ही परिवार के पांच लोग पड़ोसी के कच्चे मकान की जर्जर दीवार भरभराकर गिरने से मलबे में दब गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। परिजनों और ग्रामीणों ने राहत-बचाव शुरू किया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से सभी को मलबे से बाहर निकाला और उपचार के लिए सीएचसी अजीतमल भेजा। हादसे में घायल धीरेंद्र सिंह सेंगर को चिकित्सकों ने रेफर कर दिया।
ग्राम छीतापुर निवासी धीरेंद्र सिंह सेंगर

सोमवार रात अपनी पत्नी प्रीति, पुत्री आरती, अंकिता और पुत्र अंकुश के साथ घर के आंगन में टीन शेड के नीचे सो रहे थे। रात करीब सवा 12 बजे अचानक पड़ोसी के एक मंजिला कच्चे मकान की जर्जर दीवार भरभराकर टीन शेड के ऊपर जा गिरी। दीवार गिरते ही धीरेंद्र सिंह समेत परिवार के पांचों सदस्य मलबे में दब गए।
हादसे की आवाज और चीख-पुकार सुनकर घर के बाहर बने कमरे में सो रहे धीरेंद्र के बड़े भाई विपिन और उनकी पत्नी पूजा तत्काल मौके पर पहुंचे।
उन्होंने पड़ोसियों को बुलाकर मलबा हटाने का प्रयास शुरू किया और पुलिस को सूचना दी।
सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी मनोज गंगवार, कोतवाल विनोद राजपूत, हमराही विकास यादव व सुंदर तथा फायर कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस और फायर कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से मलबा हटाकर उसमें दबे पांचों लोगों को बाहर निकाला।
सभी घायलों को 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। चिकित्सकों ने धीरेंद्र सिंह की हालत को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया।
हादसे के बाद परिजनों ने आरोप लगाया कि पड़ोसी के मकान की जर्जर कच्ची दीवार को हटाने के लिए संबंधित लोगों से कई बार कहा गया था।

खतरे के निशान पर पहुंचा गंगा का जल स्तर, बाढ़ चौकिया अलर्ट

फरुर्खाबाद।
गंगा नदी का जलस्तर मंगलवार को खतरे के निशान पर पहुंच गया है, जिससे तकरीबन 100 ग्राम सभाएं बाढ़ की चपेट में आ गई है। यहां के लोग छतों पर गुजारा कर रहे हैं। हालात यह हैं कि बाढ़ की विभीषिका में फंसे लोगों का दिन का चैन और रात की नींद हराम हो गई है। हालांकि जिला प्रशासन पूरी तरह से बचाव में लगा हुआ है, लेकिन खतरे के निशान पर पहुंची गंगा का पानी अब गांव में पूरी तरह से भर गया है।
गंगा पार के राजेपुर के रहने वाले प्रधान प्रदीप गुप्ता बताते हैं की गंगा का पानी राजेपुर की सड़कों पर चल रहा है, जिससे लोगों को

भारी परेशानी होती है। हालात यह है कि तहसील और ब्लॉक तथा स्कूल पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। सरकारी कामकाज में बाधा आ रही है।
जिला प्रशासन की तरफ से बाढ़ पीड़ितों के लिए शरणालय बनाए गए हैं और उन्हें राशन , तथा अन्य जरूरत का सामान मुहैया कराया जा रहा है। सबसे दुखद बात यह है कि सड़क के किनारे पॉलीथिन तान कर रह रहे लोग ऊपर से बरस रहे पानी की वजह से परेशान है । मंझा की मड़ैया, चाचू पुर तथा लड़कातक पानी पहुंच जाने की वजह से यहां के वाशिंदे को सांप और विषैले जीव जंतुओं का डर सता रहा हैं।
गंगा पार के रहने वाले लोगों का कहना है कि उनके लिए गंगा और रामगंगा दोनों नदियां अभिशाप बनी हुई है । नदियों में आई बाढ़ की वजह से फसले नष्ट हो जाती है, जिसकी वजह से बच्चों की शादी विवाह करने में भारी दिक्कत होती है। यहां गांव बरुआ के योगेंद्र सिंह बताते हैं कि यहां के लोगों के बच्चों की पढ़ाई और शादी विवाह का दारोंमदार खेती पर ही टिका हुआ है, लेकिन इन खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। इसकी वजह से गंगा पार क्षेत्र में कोहराम मचा है।
आज गंगा नदी का जलस्तर 137.10 मीटर पर रिकॉर्ड किया गया, जो की खतरे का निशान है ।
इस संबंध में जिलाधिकारी डॉक्टर अंकुर लाठर का कहना है कि पूरी तरह से बाढ़ चौकिया को अलर्ट कर दिया गया है। सभी अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में दौरा कर रहे हैं । लोगों की दवा और भोजन की व्यवस्था प्रशासन द्वारा मुहैया की जा रही है । उन्होंने कहा कि जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंचने पर जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट हो गया है। सभी बाढ़ चौकिया बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में सक्रिय है और वह पल-पल की सूचना जिला मुख्यालय को दे रही हैं ।

मुरादाबाद के सलेमपुर गांव में तेंदुआ पिंजरे में कैद

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जनपद के ए ग्राम सहसपुरी में एक तेंदुआ ट्रैप केज के माध्यम से सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू किया जाने वाला यह दसवां तेंदुआ है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पिंजरे को अपने कब्जे में ले लिया। उसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुटी थी।
जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से वन विभाग की देखरेख में रेस्क्यू टीम लगातार सक्रिय है। साथ ही प्रशासनिक स्तर से पूरे संवेदनशील क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामों ने सतर्कता एवं जागरूकता के लिए चौपालें आयोजित की जा रही हैं। पूरे संवेदनशील क्षेत्र से अब तक 10 तेंदुओं का रेस्क्यू किया जा चुका है।

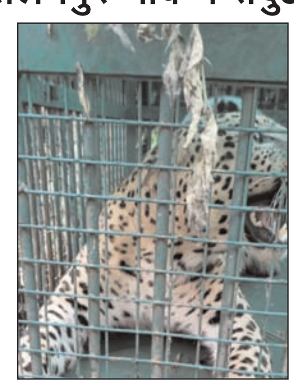

जिलाधिकारी ने बताया कि मुरादाबाद जनपद के कई थाना क्षेत्रों में कई गांव में बीते तीन पखवाड़े से तेंदुए कई लोगों को और उनके जानवरों को अपना शिकार बना चुके हैं। इसके बाद से तेंदुए की सक्रियता ने विभिन्न क्षेत्रों के कई गांव के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा रखी थी। खेत में काम करने जाने वाले किसानों और चारा लेने जाने वाली महिलाओं को भी डर लग रहा था कि कब तेंदुआ उन पर हमला कर दें। हालांकि वन विभाग ने लोगों को सतर्कता बरतने के साथ प्रभावित गांवों में निगरानी बढ़ाने के साथ जगह पिंजरे लगाए थे। इन्हीं पिंजरों मे से एक पिंजरे में मंलवार सुबह लगभग छह बजे के आसपास वन विभाग की रेस्क्यू टीम को मुरादाबाद रेंज के अन्तर्गत ग्राम सहसपुरी में एक तेंदुआ के कैद हो जाने की सूचना मिली। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने पहुंचकर उसे अपने कब्जे में लिया। तेंदुए के पिंजरे में कैद हो जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अब उसके शारीरिक परीक्षण के बाद घने जंगल में छोड़ा जाएगा, ताकि वह दोबारा गांव की ओर न आ सके।

हिन्दू आध्यात्मिक मेले से समाजसेवा और सांस्कृतिक कार्यों को मिलेगा मंच : संजीव दीक्षित

कानपुर।
हिन्दू आध्यात्मिक मेले का उद्देश्य समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने के साथ विभिन्न सामाजिक और सेवा संगठनों को एक मंच पर लाना है। मेले के माध्यम से मंदिरों, ट्रस्टों, एनजीओ और अन्य संस्थाओं की ओर से किए जा रहे सेवा कार्यों को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। यह बातें सोमवार को हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के अध्यक्ष संजीव दीक्षित ने कहीं।

शहर के बृजेंद्र स्वरूप पार्क के ग्राउंड में 26 से 30 नवंबर तक हिन्दू आध्यात्मिक मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजन को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए कार्यकताओं का विशेष प्रशिक्षण शिविर भी लगाया गया, जिसमें उन्हें विभिन्न जिम्मेदारियों और मेले की व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी दी गई।

हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के ट्रस्टी व फाउंडर एस. गुरुमूर्ति इन दिनों कानपुर प्रवास पर हैं। उनके मार्गदर्शन में मेले की तैयारियों को अंतिम रूप देने के साथ कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। प्रशिक्षण शिविर में आयोजन के दौरान आने वाले लोगों की सुविधा, व्यवस्थाओं और विभिन्न गतिविधियों को लेकर कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

आयोजकों के अनुसार मेले में समाज के विभिन्न वर्गों और संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसका एक प्रमुख उद्देश्य हिन्दू समाज से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, ताकि उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और सेवा कार्यों की जानकारी अधिक लोगों तक पहुंच सके।

मेले में एनजीओ, ट्रस्ट, मंदिरों और कॉरपोरेट संस्थानों की ओर से किए जा रहे सामाजिक एवं परोपकारी कार्यों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि समाज में सेवा के क्षेत्र में काम कर रहे संस्थानों के प्रयासों को सामने लाने से अन्य लोगों को भी सामाजिक गतिविधियों से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। पूर्व वीसी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने भी मेले की तैयारियों और इसके उद्देश्यों को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाने के लिए ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर जोर दिया।

मेले को लेकर कार्यकताओं के प्रशिक्षण और व्यवस्थाओं का काम लगातार जारी है। आयोजकों के मुताबिक 26 नवंबर से शुरू होने वाले पांच दिवसीय आयोजन में विभिन्न संस्थाओं की गतिविधियों और सेवा कार्यों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

विद्यार्थियों के विचारों को नवाचार और उद्यमिता से जोड़ना जरूरी : प्रभाकर सिंह

कानपुर।
किसी भी बड़े व्यवसाय की शुरूआत एक छोटे विचार और किसी वास्तविक समस्या के समाधान से हो सकती है। विद्यार्थियों को अपने विचारों को नवाचार में बदलकर उन्हें उद्यमिता और स्टार्टअप के अवसरों से जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। यह बातें सोमवार को सीएसजेएम इनोवेशन फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑपरेशंस मैनेजर प्रभाकर सिंह ने कहीं।

नवाचार प्रकोष्ठ के तहत एसेंट कॉलेज में नवाचार, उद्यमिता एवं आइडिएशन पर संवादात्मक सत्र के साथ ड्रोन तकनीक कार्यशाला और लाइव डेमोंस्ट्रेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में हुआ।

प्रभाकर सिंह ने विद्यार्थियों को आइडिया जनरेशन, समस्या की पहचान, प्रोटोटाइप तैयार करने, बिजनेस मॉडल और स्टार्टअप शुरू करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने सीएसजेएम इनोवेशन फाउंडेशन के इनोवेशन एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम, इनक्यूबेशन सुविधाओं और उद्यमिता से जुड़े अवसरों के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम में सीएसजेएमआईएफ के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप एयरोमॉडेलिंग की टीम ने ड्रोन तकनीक पर कार्यशाला आयोजित की।

ड्रोन इंस्ट्रक्टर आदित्य कुशवाहा और उनकी टीम ने विद्यार्थियों को ड्रोन की कार्यप्रणाली, तकनीकी विशेषताओं और विभिन्न क्षेत्रों में इसके उपयोग की जानकारी दी। इसके बाद ड्रोन का लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया गया। विद्यार्थियों ने तकनीक से जुड़े सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने जवाब दिया। विद्यार्थियों को बताया गया कि ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती तकनीकें रोजगार के साथ स्टार्टअप और नए व्यवसाय शुरू करने के अवसर भी उपलब्ध करा रही हैं। कार्यक्रम में कॉलेज के चेयरमैन गुरशरण सिंह, डायरेक्टर सुरजीत कौर सहित शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे।

वित्तीय सेवा क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करें विद्यार्थी: प्रो. सुधांशु पंडिया

कानपुर।
वित्तीय सेवा क्षेत्र में बदलती जरूरतों के अनुसार विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक और उद्योगपरक कौशल भी विकसित करना चाहिए। यह बातें सोमवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) निदेशक प्रो. सुधांशु पंडिया ने एमबीए फाइनेंशियल सर्विसेज के नए बैच के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में कहीं।

विश्वविद्यालय में एमबीए फाइनेंशियल सर्विसेज के नए बैच के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वित्तीय सेवा क्षेत्र, पाठ्यक्रम, उद्योग की आवश्यकताओं और करियर के अवसरों से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

प्रो. सुधांशु पंडिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पढ़ाई के साथ व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने और अपने करियर के लिए जरूरी कौशल विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में फिनएक्स के सीईओ हिमांशु व्यापक और हेड-प्रोग्राम्स हरप्रीत सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने वित्तीय सेवा क्षेत्र में हो रहे बदलाव, रोजगार के अवसरों और उद्योग में आवश्यक व्यावसायिक कौशल के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। ओरिएंटेशन के दौरान विद्यार्थियों को एमबीए फाइनेंशियल सर्विसेज की शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा की रूपरेखा समझाई गई।

देवरिया : मझौलीराज में अङ-47 की तस्वीर वाले इस्लामिक झंडे पर विवाद, तीन गिरफ्तार

देवरिया।
उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के मझौलीराज कस्बे में इस्लामिक झंडे पर अङ-47 और तलवार की तस्वीर लगाए जाने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। झंडे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हिंदू संगठनों और भाजपा नेताओं ने विरोध जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर झंडे को उतरवाया और मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, फिलहाल क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी हुई है। मझौलीराज कस्बे के वार्ड नंबर आठ निवासी मोहम्मद अरशद उर्फ समसुद्दीन सभासद हैं। उनके घर के सामने दो झंडे लगाए गए थे। इनमें से एक झंडे पर अङ-47 राइफल की तस्वीर बनी थी, जबकि दूसरे पर तलवार की तस्वीर थी। तलवार वाले झंडे पर इस्लामिक कलमा लिखा हुआ था। घटना का वीडियो झंडा उतारे जाने के दौरान किसी व्यक्ति ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

झंडे पर लिखे कलमे को लेकर अबूबकर नगर की जामा मस्जिद के इमाम के बेटे मोहम्मद अहमद ने बताया कि ह्यला इलाहा इल्लल्लाह मुहम्मदुर रसूलुल्लाहह्ल का अर्थ है कि अल्लाह के सिवा कोई इबादत के योग्य नहीं है और मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं। उन्होंने इसे कलमा बताया।

मामले की जानकारी मिलने के बाद भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा ने पुलिस से शिकायत की। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और झंडे को तत्काल उतरवा दिया। पुलिस ने सभासद मोहम्मद अरशद उर्फ समसुद्दीन से पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि झंडा बनवाने के लिए वह अब्दुल वाहिद पेंटर के पास गया था।

पुलिस के मुताबिक, वार्ड नंबर आठ निवासी मोबीन अली उर्फ पेंटर ने झंडा तैयार किया था।

जांच के बाद पुलिस ने अशरफ अली, मोबीन अली और अब्दुल वाहिद को गिरफ्तार कर लिया। क्षेत्राधिकारी सलेमपुर गौरव सिंह के अनुसार, तीनों के खिलाफ धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई है।

बास्केटबॉल क्लस्टर में उपविजेता बना आरएसडी मुरादाबाद

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश के जपनद शामली में 16 से 21 अगस्त तक आयोजित 19वीं सीबीएसई बास्केटबॉल क्लस्टर प्रतियोगिता 2026 में आरएसडी एकेडमी मुरादाबाद की अंडर-19 टीम ने उपविजेता का खिताब हासिल किया।

आरएसडी एकेडमी मुरादाबाद के प्रधानाचार्य अभिषेक शर्मा ने सोमवार को बताया कि अंडर-19 वर्ग में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 78 विद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। कालेज परिसर में पूरी टीम का स्वागत अभिनंदन करते हुए टीम की इस उपलब्धि पर आरएसडी एकेडमीके चेयरमैन डॉ. विनोद कुमार, डायरेक्टर डॉ. जी कुमार, डॉ. अजय शर्मा, डॉ. गौरव कुमार, डॉ. गरिमा शर्मा, प्रधानाचार्य अभिषेक शर्मा ने खिलाड़ियों व कोच मोहित चौधरी को बधाई दी। खास बात यह है कि आरएसडी एकेडमी की अंडर-19 टीम ने लगातार दूसरे वर्ष सीबीएसई क्लस्टर प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया है।

लखनऊ : जैन मंदिर से 15 लाख की अष्टधातु प्रतिमा चोरी करने वाला 48 घंटे में गिरफ्तार

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बाजारखाला थाना पुलिस ने सोमवार को जैन मंदिर में हुई चोरी का 48 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने अष्टधातु की प्रतिमा सहित 15 लाख रुपये की चोरी की गई अष्टधातु प्रतिमा के साथ एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी ब्रजेश सिंह ने बताया कि 20 अगस्त की रात आटा मिल परिसर मिल रोड ऐशबाग स्थित जैन मंदिर चैत्यालय से भगवान अनंतनाथ की अष्टधातु प्रतिमा, पांच पंचमेरू, चांदी के सिंहासन, छत्र और नकदी चोरी हुई थी। इस संबंध में थाना बाजारखाला पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस ने सीसीटीवी और मुखबिर की मदद से आरोपित सीतापुर जिले के जहांसापुर निवासी संजय शुक्ला को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के सामने विभूतिखंड से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपित 06 महीने पहले आटा मिल में सिक्योरिटी गार्ड था और मंदिर की भी देखभाल करता था। उसी दौरान उसे मंदिर के कीमती सामान की जानकारी हुई। नौकरी से निकाले जाने के बाद उसने यूट्यूब से ताला खोलना सीखा और पेट्रोल, सिरिंज और प्लास लेकर वारदात को अंजाम दिया। तलाशी के दौरान भगवान अनंतनाथ की एक पीली धातु की प्रतिमा, पांच पंचमेरू सफेद धातु, पांच सिंहासन छत्र, एक सिंहासन और 1231 रुपये नकद बरामद कर लिए गए हैं। आरोपित पर पहले भी चोरी और गैंगस्टर की कार्रवाई हो चुकी है।

हिंदू मंडल किसरोल मुरादाबाद ने सावन मास के अंतिम सोमवार पर भी की महाआरती

मुरादाबाद।
हिंदू मंडल किसरोल 84 घंटा मुरादाबाद द्वारा सावन मास के अंतिम सोमवार को 84 घंटामंदिर प्रांगण में भगवान पशुपतिनाथ जी की मूर्ति के समक्ष एक महा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि नगर मजिस्ट्रेट युवराज सिंह, गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी के कुलसचिव प्रो. गिरीश द्विवेदी, अपर नगर आयुक्त नगर निगम अजीत कुमार सिंह और संयुक्त व्यापार मंडल के पदाधिकारी प्रदेश महामंत्री विपिन गुप्ता द्वारा भगवान भोलेनाथ जी की महा आरती की गई।

हिंदू मंडल किसरोल के अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल जानी ने बताया कि श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार, सावन मास की शिवरात्रि और महाशिवरात्रिपर महाआरती की जाती है। इस महा आरती का उद्देश्य समाज में सुख शांति बनी रहे, भाईचारा कायम रहे और भगवान भोलेनाथ सबकी मनोकामना पूरी करें।

इस अवसर पर सत्यदेव शर्मा, राजेंद्र गुप्ता, आलोक अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, सुप्रीत खन्ना, अतुल सोती एडवोकेट, अनुज शर्मा, विशाल शर्मा, अजय त्रिवेदी, विपुल भटनागर, मूलचंद चौहान, विशाल रस्तोगी, राजेश शर्मा कुन्नू, हिमांशु अग्रवाल, मोंटू दिवाकर, मोहित खन्ना, राहुल भटनागर, अभिषेक भटनागर एडवोकेट आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मंडलीय कुश्ती प्रतियोगिता में छात्र सूरज ने जीता स्वर्ण

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के स्थानीय पीएम श्री राजकीय इंटर कालेज कुरारा में सोमवार को 70वीं मंडलीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर जनपद के प्रतिभागी छात्रों ने कुश्ती कला का प्रदर्शन किया।

जूनियर वर्ग में 19 साल के बालक वर्ग भार वर्ग में 55 किग्रा में जे पी शर्मा इंटर कॉलेज बबेरू के छात्र सूरज ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता।

के.एम. विश्वविद्यालय में आरएसएस ने युवा डॉक्टरों को दिलवाया राष्ट्र निर्माण का संकल्प

मथुरा।
के.एम. विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (जिला मथुरा) के तत्वावधान में सोमवार दोपहर युवा संवादः राष्ट्रोत्थान की संघ दृष्टि कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मेडिकल क्षेत्र से जुड़े युवाओं, यूजी-पीजी डॉक्टर्स और छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर राष्ट्र, समाज, संस्कृति और वर्तमान वैश्विक व राष्ट्रीय चुनौतियों पर गहन मंथन किया। कार्यक्रम में आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख पदमजी, संघ विभाग प्रचारक पारस पार्थ सारथीजी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख पदम ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी समर्थ राष्ट्र के निर्माण में उसकी युवाशक्ति की भूमिका सबसे अहम होती है। उन्होंने कहा, यदि युवा सकारात्मक सोच, अनुशासन, उच्च संस्कारों और निस्वार्थ सेवा भाव के साथ आगे बढ़ें, तो वे समाज और देश को एक नई सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकते हैं। विभाग प्रचारक पारस पार्थ सारथीजी ने युवा डॉक्टरों व विद्यार्थियों से अपने व्यक्तिगत व व्यावसायिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा देश की वास्तविक ताकत और रीढ़ हैं। उन्होंने बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान और डिग्री तक सीमित न रहकर सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को गहराई से समझना चाहिए।

युवाओं को समाज सेवा, देश की संप्रभुता, अखंडता और सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस युवा संवाद कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विवि के प्रति कुलपति व मेडीकल कालेज के डीन डा. शरद अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. पूरन सिंह, वेटरिनरी रिसर्च सेंटर के डॉ. अशोक कुमार, केएम सिंह के अलावा विवि के विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर तथा बड़ी संख्या में यूजी व पीजी के डॉक्टर-विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी युवा डॉक्टरों और छात्र-छात्राओं ने राष्ट्र व समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय और निरंतर सहभागिता दर्ज कराने का सामूहिक संकल्प लिया।

वाराणसी में नवम्बर तक रोपवे परियोजना पूरी होने की उम्मीद, कमिश्नर ने निर्माण कार्यो का लिया जायजा

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी में रोपवे परियोजनाओं में आर्ट वर्क एवं फिनिशिंग कार्यों को तेजी से किया जा रहा है। सोमवार को वाराणसी परिक्षेत्र के कमिश्नर एस.राजलिंगम ने रोपवे परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं से परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की तथा मौके पर चल रहे कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया।

मंडलायुक्त ने गोदौलिया एवं गिरजाघर रोपवे स्टेशनों पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य रोपवे स्टेशनों पर कार्य प्रगति, आर्ट वर्क एवं फिनिशिंग कार्यों का भी जायजा लिया। मंडलायुक्त ने रोपवे परियोजनाओं से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोदौलिया, गिरजाघर सहित अन्य सभी रोपवे स्टेशनों के समस्त कार्यों को शीघ्रतापूर्वक एवं जल्द से जल्द पूरा किया जाए। इस दौरान कमिश्नर ने कहा कि रोपवे परियोजनाएं वाराणसी की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के साथ-साथ शहर में आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। परियोजना के निर्माण से जुड़ी सभी आवश्यक प्रक्रियाओं एवं कार्यों में आपसी समन्वय बनाए रखते हुए तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए। मण्डलायुक्त ने रथयात्रा स्टेशन पहुंचकर निमार्णाधीन कार्यों का जायजा लिया । बताया गया कि गोदौलिया स्टेशन पर बोर्डिंग-डिबोर्डिंग के लिए कार्य निमार्णाधीन है।

गिरिजाघर स्टेशन पर कंट्रोल रूम का कार्य प्रगति पर है, जिसको जल्द पूरा किया जाएगा।

गौरतलब है कि वाराणसी में निमार्णाधीन रोपवे परियोजना के अंतर्गत कैंट स्टेशन से रथयात्रा तक कार्य पूरा हो चुका है।

सफाई के बजाय कूड़े का ढेर, रामलीला मैदान बना डंपिंग यार्ड

अमेठी।
आदर्श नगर पंचायत अमेठी में संसाधन और सफाई कर्मियों की उपलब्धता के बावजूद व्यवस्था पटरी से उतर गई है। रामलीला मैदान में शिव प्रताप इंटर कॉलेज के सामने खुले में कूड़ा डाले जाने से आसपास गंदगी का अंबार लगा है। सड़ांध और दुर्गंध के बीच छात्र-छात्राओं को आवागमन करना पड़ रहा है। इससे संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। कूड़े के कारण सड़क पर आवागमन प्रभावित होने से लोगों में नाराजगी है।

शिव प्रताप इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य संजय सिंह ने सोमवार को बताया कि समस्या से स्थानीय प्रशासन और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह को भी अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने जिला प्रशासन से रामलीला मैदान में बने अस्थायी डंपिंग स्थल को हटाकर कूड़ा किसी दूसरे स्थान पर कूड़ा डंपिंग स्थल की मांग की है।

उनका कहना है कि सफाई कर्मचारी कई बार सड़क किनारे ही कचरा डाल देते हैं, जिससे विद्यार्थियों को परेशानी होती है। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के शिक्षकों और छात्राओं ने भी कूड़ा हटाने की मांग उठाई है। विद्यालय की छात्र-छात्राओं का कहना है कि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

सभी थाना क्षेत्रों में अपराध की रोकथाम के लिए प्रभावी पुलिसिंग जरूरी : डीसीपी वरूणा जोन

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी के वरूणाजोन में कानून-व्यवस्था,अपराध नियंत्रण, प्रभावी पुलिसिंग को लेकर सोमवार शाम क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसीपी वरूणा जोन प्रमोद कुमार ने जोन के सभी सहायक पुलिस आयुक्त, प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारियों से अपराध एवं कानून-व्यवस्था को लेकर विभिन्न बिंदुओं की जानकारी ली।

उन्होंने सभी थाना क्षेत्रों में अपराध की रोकथाम के लिए प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने तथा अपराधियों की गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करने को कहा। बैठक में वांछित, वारण्टी एवं पुरस्कार घोषित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने के लिए भी निर्देश दिए। लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि प्रत्येक विवेचना को साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करते हुए नियमानुसार निर्धारित 60/90 दिवस की समयावधि में निस्तारित कर दे। अनावश्यक रूप से विवेचनाओं को लंबित न रखा जाए तथा संबंधित अधिकारी नियमित रूप से उनकी समीक्षा करें।

— ई-साक्ष्य का प्रभावी उपयोग

डीसीपी ने विवेचनाओं में ई-साक्ष्य का नियमानुसार एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने तथा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित एवं विधिक प्रक्रिया के अनुरूप संकलित एवं संरक्षित करने के लिए निर्देशित किया गया।

इसी तरह न्यायालयों से प्राप्त समन, नोटिस आदि की तामील में ई-समन व्यवस्था का प्रभावी उपयोग करते हुए समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत तामील सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत प्रभावी वैधानिक कार्रवाई करने तथा मादक पदार्थों के स्रोत एवं नेटवर्क की जानकारी कर संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करने को भी कहा गया।

— धारा 111 बीएनएसएस के अन्तर्गत निरोधात्मक कार्यवाही

अपराध की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के दृष्टिगत आपराधिक गतिविधियों में डीसीपी ने संलिप्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित कर धारा 111 बीएनएसएस के अन्तर्गत नियमानुसार निरोधात्मक कार्यवाही करने को कहा। हत्या, लूट, चोरी, वाहन चोरी, नकबजनी एवं अन्य गंभीर अपराधों की रोकथाम के लिए संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर प्रभावी गश्त एवं चेकिंग कराने के निर्देश दिए गए। बीट आरक्षियों एवं हल्का प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमण कर आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों एवं संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी संकलित करने को कहा गया। महिला एवं बाल अपराधों में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई करने तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत सार्वजनिक स्थानों, बाजारों एवं स्कूल-कॉलेज के आसपास प्रभावी पुलिस उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुनकर उसका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की हिदायत दी गई।

संक्षिप्त समाचार

मोदी 1500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं-खिलाड़ियों से करेंगे संवाद

नेशनल स्पोर्ट्स डे से पहले कार्यक्रम, पीटी उषा समेत कई प्लेयर्स भी जुड़ेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अगस्त को देशभर में 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम खेल मंत्रालय के 'खेलो इंडिया संवाद–खेल की बात, पीएम के साथ' अभियान के तहत आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम 29 अगस्त को होने वाले नेशनल स्पोर्ट्स डे से दो दिन पहले होगा। 29 अगस्त को हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती होती है। इसी दिन देश में नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट से मिल चुके हैं मोदी – इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिले थे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की रील भी इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस बार खिलाड़ियों और युवाओं के साथ संवाद वर्चुअल होगा।

दिल्ली में 4–5 जगहों पर कार्यक्रम – राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम 4–5 जगहों पर आयोजित किए जाएंगे। इनमें आईआईटी दिल्ली भी शामिल है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया आईआईटी दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह 27 अगस्त को आईआईटी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दिग्गज खिलाड़ी भी युवाओं से करेंगे बातचीत – भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के अलावा मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी तथा अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता भी युवाओं से संवाद करेंगे। इनमें मनिका बत्रा, दीपा करमाकर, साइना नेहवाल, गगन नारंग, श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू शामिल हैं। कुछ क्रिकेटर भी कार्यक्रम में युवाओं से बातचीत करेंगे।

लद्दाख में सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की तैयारी

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा मैदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनने की योजना चर्चा में है। लेह के पास थिकसे क्षेत्र में करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अगर इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलती है और इसका निर्माण पूरा होता है, तो यह दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल हो सकता है। फिलहाल यह परियोजना डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट के चरण में है। लेह पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए कंसल्टेंसी सेवाओं के लिए बोली आमंत्रित की है। हालांकि, अभी तक परियोजना को अंतिम आधिकारिक मंजूरी नहीं मिली है।

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा स्टेडियम – प्रस्तावित रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम लेह शहर से करीब 19–20 किलोमीटर दूर थिकसे के पास बनाया जा सकता है। इसकी ऊंचाई करीब 11,800 फीट बताई जा रही है, जो मौजूदा कई हाई–एल्टीट्यूड क्रिकेट मैदानों से कहीं ज्यादा होगी। यहां से हिमालय की ऊंची चोटियों का शानदार नजारा भी देखने को मिल सकता है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है लागत – रिपोर्ट्स के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की लागत 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। स्टेडियम में करीब 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता रखने का भी अनुमान है। हालांकि, अंतिम क्षमता और बजट DPR तथा मंजूरी के बाद ही तय होगा।

खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं होगी चुनौती – करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर पतली हवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। गेंदबाजों और बल्लेबाजों को सामान्य मैदानों की तुलना में अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, ऑक्सीजन की कमी और बेहद ठंडा मौसम खिलाड़ियों की फिटनेस और निर्माण कार्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत ने 503/9 पर पारी घोषित की

ध्रुव जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक, पंत-गिल ने फिफ्टी लगाई

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारत ने 9 विकेट पर 503 रन पर पारी घोषित कर दी थी। ध्रुव जुरेल ने शतक पूरा कर लिया है। उन्होंने 100वां रन बनाने के लिए 13 बॉल खेलीं। जुरेल ने 171 बॉल पर दूसरा टेस्ट शतक लगाया। प्रसिद्ध कृष्णा उनका साथ दे रहे हैं। मोहम्मद सिराज 29 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हुए। मानव सुथार ने 18 रन बनाए। भारत के लिए दूसरे सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि पंत ने केशारा नुवांथा की गेंद पर सर्कल के बाहरी किनारे पर खड़े लाहिरू उदरा को कैच थमा दिया. पंत और जुरेल ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत– यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, सारांश जैन, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

श्रीलंका– लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंडु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, धोनी को पीछे छोड़ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। पंत ने विदेशी या न्यूट्रल वेन्यू पर टेस्ट मैचों में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने चोट के बावजूद दूसरे दिन मैदान पर वापसी करते हुए यह खास उपलब्धि हासिल की। कोलंबो टेस्ट के दौरान ऋषभ पंत ने विदेशी और न्यूट्रल वेन्यू पर बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पंत के नाम रिपोर्ट लिखे जाने तक 41.68 की औसत से 2,501 रन दर्ज हो गए थे, जबकि महेंद्र सिंह धोनी ने 2,496 रन बनाए थे। इस सूची में फारुख इंजीनियर 1,209 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सैयद किरमानी ने 1,109 रन बनाए हैं, जबकि किरण मोरे 901 रनों के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं।

कोलंबो में सिर टकराने पर जायसवाल-फर्नांडो की 25 प्रतिशत फीस कटी, दोनों ने गलती मानी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर जुर्माना लगा दिया है. दोनों खिलाड़ी कोलंबो में जारी दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन मैदान पर ही भिड़ गए थे। आईसीसी ने सोमवार को दोनों खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाने की पुष्टि भी कर दी है. क्रिकेट की गवर्निंग बॉडी ने जायसवाल और फर्नांडो पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया है. इस के अलावा दोनों को एक–एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया। आईसीसी ने एक प्रेस रिलीज में कहा, दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी के आचार संहिता के आर्टिकल 2.12 का उल्लंघन करते पाया गया. यह नियम किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायता कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें इंटरनेशनल मैच के दौरान दर्शक भी शामिल हैं) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।

इंडिया लड़ेगा और जवाब भी देगा..., श्रीलंकाई गेंदबाज के साथ हुई झड़प पर जायसवाल ने तोड़ी चुप्पी

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन काफी कुछ घटा. देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरा शतक जड़ा और 117 रन बनाकर आउट हुए. इसके अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी बहस हुई. जिस पर जायसवाल की काफी ज्यादा आलोचना हुई। अब जायसवाल ने उन आलोचना का जवाब दिया है। उनका कहना है कि लोगों को इस झड़प के संदर्भ को जानने से पहले अपनी कोई राय नहीं कायम करनी चाहिए. जायसवाल ने ये प्रतिक्रिया मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले की राय पर दी है। क्रिकबज के एक वीडियो में कमेंटेटर हर्षा भोगले इस पूरी घटना पर अपनी राय देते हुए दिखे. उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जायसवाल के लिए सबसे अच्छा यही था कि वे वहां से चले जाते। जायसवाल ने जल्द ही उस वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा कि घटना की पूरी जानकारी के बिना कोई राय नहीं बनानी चाहिए. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, अगर आपको पता नहीं है कि उन्होंने क्या कहा, तो कृपया अपनी राय न बनाएं, हमें उन्हें बताना होगा, और साथ ही यह भी कहा, भारत लड़ेगा और जवाब देगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम वर्ल्ड कप से बाहर, कोच मारिन ने कहा, 'मुझे टीम पर गर्व है'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही

नईदिल्ली (एजेंसी)। हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया. लेकिन वो बड़े मैच का दबाव नहीं झेल सकी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही. 'करो या मरो' के इस मुकाबले में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं. जिससे दोनों टीमों के पास 2-2 अंक रहे. लेकिन गोलों की गिनती के आधार पर भारतीय टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

भारत को सेमीफाइनल में जाने के लिए यह मैच हर हालत में जीतना था. पहले दौर में पूल डी में चीन से ड्रॉ का एक अंक भारत के पास था जबकि आस्ट्रेलिया भी एक अंक लेकर आई थी. इसके बाद गोल डिफ्रेंस के आधार पर होना था जिसमें दोनों के माइनस दो गोल थे. आस्ट्रेलिया ने तीन गोल

किये और पांच गंवाये थे जबकि भारत ने दो गोल किए और चार गंवाए थे. पॉइंट्स और गोल डिफरेंस बराबर रहने के बाद गोल की गिनती में आस्ट्रेलिया एक गोल आगे था, जिससे वो सेमीफाइनल में पहुंच गया. अब भारत क्लासिफिकेशन मैच खेलेगा जबकि नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया पूल श्च से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ में उनकी टीम काफी नर्वस थी लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में पांचवें-छठे स्थान के प्लेऑफ में पहुंचना अभी भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मारिन ने कहा, ऐसा लग रहा था कि हमारे खिलाड़ी काफी नर्वस हैं. हम उस तरह का खेल नहीं खेल पाए जैसा हम खेलना चाहते थे. हमारे खेल में निरंतरता का अभाव था, पासिंग और रिसीविंग में तालमेल नहीं था और कई अनावश्यक गलतियां हुईं।उन्होंने आगे कहा, हम परिणाम तो नहीं बदल सकते, लेकिन मुझे लड़कियों पर बहुत गर्व है. हम साथ मिलकर जीतते हैं, साथ मिलकर हारते हैं और साथ मिलकर ड्रॉ भी खेलते हैं. सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर हमेशा गर्व रहेगा।

द्रोणाचार्य अवॉर्डी पर यौन शोषण का आरोप

पास्को में केस,16 साल की पीड़ित की शिकायत– मैसेज करके जिम में बुलाया, गोद में बैठाया

मुंबई (एजेंसी)। द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस यानी पास्को में केस दर्ज किया गया है। 45 साल के मलखंभ कोच के खिलाफ 16 साल की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक छात्रा मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ती है और कई साल से आरोपी कोच से जिमनास्टिक की ट्रेनिंग ले रही थी। शिकायत के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह की है। मलखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुंबई के मलखंभ फेडरेशन से घटना को लेकर जानकारी मांगी गई है। आरोपी कोच फिलहाल फरार है। मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

यूपी प्रीमियर लीग में सिर्फ 7 गेंदों में 29 रन की पारी खेली, मेरठ की लगातार छठी जीत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 7 गेंदों पर 29 रन बनाए। मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए।उनकी इस पारी की मदद से मेरठ ने यूपी टी-20 लीग के 16वें मैच में गोरखपुर को 10 विकेट से हरा दिया।

8–8 ओवर का मैच खेला गया – बारिश के कारण मैच 8-8 ओवर का कर दिया गया था। गोरखपुर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट पर 91 रन बनाए। जवाब में मेरठ मावेरिक्स ने 6.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 92 रन बनाकर मैच जीत लिया।यह मेरठ मावेरिक्स की इस सीजन में लगातार छठी जीत है। टीम 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। वहीं, गोरखपुर लायंस की 6 मैचों में यह चौथी हार है।

जीशान ने 2 ओवर में 4 विकेट लिए – मेरठ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गोरखपुर के ओपनर अभय प्रताप सिंह ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए।मेरठ के जीशान अंसारी ने 2 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

रिंकू के अलावा स्वास्तिक ने बनाए 44 रन – रिंकू सिंह के अलावा मेरठ मावेरिक्स की ओर से स्वास्तिक चिकारा ने नाबाद 44 रन बनाए। 92 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मेरठ ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की।

रग्बी के पूर्व स्टार ने 81 अल्ट्रा मैराथन दौड़कर बनाया रिकॉर्ड

● 100 दिन तक दौड़कर 12 करोड़ जुटा रहे डेविड जैक्सन; चोट से चली गई थी याददाश्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। 13 साल पहले सिर की गंभीर चोट से याददाश्त खोने वाले पूर्व ब्रिटिश रग्बी खिलाड़ी डेविड जैक्सन ने लगातार 81 दिनों तक रोज 50 किमी की अल्ट्रा मैराथन पूरी कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है।ब्रिस्टल में रिवर एवन के किनारे 81वीं दौड़ पूरी करते ही उन्होंने पुरुष वर्ग में लगातार सबसे ज्यादा अल्ट्रा मैराथन का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड 80 दौड़ का था। हालांकि

जैक्सन का लक्ष्य सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि ब्रेन इंजरी से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए 100 दिन में 100 अल्ट्रा मैराथन पूरी करना है। 31 साल की उम्र में उनका 12 साल का पेशेवर रग्बी करियर एक हादसे के बाद खत्म हो गया था। नॉटिंघम रग्बी क्लब के लिए 316 मैचों में 102 ट्राई और 971 अंक बनाने वाले जैक्सन अभ्यास के दौरान साथी खिलाड़ी से सिर टकराने के बाद मैदान पर ही बेहोश हो गए थे।

भारत से पहले ढाका में ट्रेनिंग कर सकता है ब्राजील

कोलकाता स्टेडियम पर सवाल, 6 अक्टूबर को केप वर्डे से मैच की भी तैयारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। ब्राजील की फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश के ढाका में ट्रेनिंग कैंप लगाने पर विचार कर रही है। ब्राजील फुटबॉल कन्फेडरेशन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 23 अगस्त को ढाका का दौरा किया। टीम ने नेशनल स्टेडियम, बसुंधरा किंग्स एरेना और कई होटलों का निरीक्षण किया। बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष तबिथ अवल ने बताया कि ब्राजील के साथ ढाका में ट्रेनिंग करने और बांग्लादेश के खिलाफ फ्रेंडली खेलने समेत सभी विकल्पों पर बात हुई है। हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। ब्राजील 25 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टाउन्सविले और 29 सितंबर को ब्रिस्बेन में मुकाबला खेलेगा। इसके

बाद टीम भारत आएगी।कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारत और ब्राजील के बीच फ्रेंडली मैच खेला जाना है।

ढाका की पिच ब्राजील को ठीक लगी – बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के मुताबिक, ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल स्टेडियम और बसुंधरा किंग्स एरेना की पिच को टीम के लिए सही बताया। हालांकि, ड्रेसिंग रूम, तकनीकी स्टाफ के लिए जगह और एंट्री-एग्जिट पर सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई गई है। ढाका में ब्राजील और बांग्लादेश के बीच 5 या 6 अक्टूबर को फ्रेंडली मैच की भी चर्चा हुई है। हालांकि, बांग्लादेश की टीम 24 सितंबर से 4 अक्टूबर तक इंडोनेशिया में स्वढ्ढस्न एशियन कप में खेलेगी।

ब्राजील के मैच पर भूटिया ने खर्च को लेकर सवाल उठाए

भारत–ब्राजील मुकाबले को लेकर पूर्व भारतीय कप्तान बाइचुंग भूटिया ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने ब्राजील को कोलकाता बुलाने पर करीब 50 से 70 करोड़ रुपए खर्च होने की रिपोर्ट पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि इतनी रकम बंगाल के घरेलू फुटबॉल और ग्रासरूट डेवलपमेंट पर खर्च की जा सकती थी।भूटिया ने भारत के एफआईएफए एशियन कप 2026 से हटने के विरोध में फैंस से ब्राजील के खिलाफ होने वाले मैच के बहिष्कार की अपील भी की है।

सितंबर में पनामा से भी मुकाबला

भारत सितंबर में पनामा के खिलाफ भी फीफा इंटरनेशनल फ्रेंडली खेलने की तैयारी में है। एआईएफएफ ने पनामा के साथ लेटर ऑफ इंटेंट साइन किया है। यह मैच 26 या 27 सितंबर को होने की संभावना है। हालांकि, इसका वेन्यू अभी तय नहीं हुआ है।

● **साल्ट लेक की पिच पर ब्राजील ने जताई चिंता –** भारत-ब्राजील मुकाबला 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में होगा। यह ब्राजील का भारत में पहला मुकाबला होगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने 30 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। मैच से पहले सीबीएफ के पांच सदस्यीय दल ने कोलकाता का भी निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने स्टेडियम, ट्रेनिंग ग्राउंड, पिच, ड्रेसिंग रूम, होटल और सुरक्षा व्यवस्था देखी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान की घास की स्थिति और कुछ जगहों पर टर्फ को लेकर चिंता जताई गई है। ब्राजील ने पिच और ट्रेनिंग ग्राउंड की घास में सुधार की जरूरत बताई है।

पर्स है फैशन का एक हिस्सा

यदि आप डॉक्टर, प्रोफेसर, उच्च अधिकारी हैं, तो हल्के कलर वाले सौम्य, सुंदर पर्स खरीदना चाहिए। यदि आप कॉलेज में पढ़ती हैं, तो तड़क-भड़क और तेज कलर वाले पर्स खरीदे जा सकते हैं। यदि आप दुल्हन बन रही हैं या नवविवाहिता हैं तो लाल रंग का पर्स आपके साथ फबेगा।

पर्स, आधुनिक नारी की एक अनिवार्यता है। स्कूल, कॉलेज में पढ़ने वाली बालाएँ हों अथवा कामकाजी महिलाएँ, अथवा सामान्य गृहिणियाँ, सभी के लिए उपयोगी होते हैं ये पर्स और इस उपयोगी वस्तु को ढंग से 'कैरी' किया जाए तो यह व्यक्तित्व को आकर्षक भी बनाता है।

पर्स के रंग का चयन बहुत मायने रखता है। यदि आप डॉक्टर, प्रोफेसर, उच्च अधिकारी हैं, तो हल्के कलर वाले सौम्य, सुंदर पर्स खरीदना चाहिए। यदि आप कॉलेज में पढ़ती हैं, तो तड़क-भड़क और तेज कलर वाले पर्स खरीदे जा सकते हैं। यदि आप दुल्हन बन रही हैं या नवविवाहिता हैं तो लाल रंग का पर्स आपके साथ फबेगा। उम्र के हिसाब से भी पर्स का रंग मेल खाना चाहिए। अधिक उम्र की महिलाओं को हल्के रंग वाला पर्स खरीदना चाहिए।

यदि आपके पास एक से अधिक पर्स हैं तो आप पोशाकों के मान से उनका चयन कर सकती हैं। पोशाकों से मेल खाते रंग के पर्स से व्यक्तित्व में निखार आता है। वैसे काले, भूरे, बैंगनी आदि रंग हर पोशाक के साथ चल सकते हैं।

पर्स में क्षमता से ज्यादा चीजें न ठूसें। अन्यथा वह भद्दा लगेगा और कटने-फटने की आशंका भी रहेगी। यदि आपको हमेशा ही ज्यादा सामग्री साथ रखकर चलना होता है तो बेहतर होगा कि बड़े पर्स का इस्तेमाल करें।

पर्स का चयन अवसर विशेष को ध्यान में रखकर भी करना चाहिए। शादी की पार्टी, जन्मदिन आदि अवसरों पर खूबसूरत, आकर्षक व कीमती पर्स ले जाए जा सकते हैं। 'पार्टी पर्स' आप पार्टी के लिए अलग ही रख सकती हैं। जबकि बाजार में सामान्य खरीददारी करते समय, स्कूल, कॉलेज या दफ्तर जाते समय सामान्य किस्म के पर्सों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

कामकाजी महिलाओं को चूँकि छः-आठ घंटे दफ्तर में गुजारने होते हैं, अतः इस अवधि में उन्हें कई वस्तुओं की जरूरत पड़ सकती है। अतः उन्हें आकार में बड़ा पर्स लेना चाहिए। जिसमें सामान रखने की पर्याप्त जगह हो। आमतौर पर कामकाजी महिलाएँ अपने पर्स में पैसों के अतिरिक्त काँच, कँघा, लिपिस्टिक, चाबी का गुच्छा, रूमाल, पाउडर, सेफ्टीपिन, पेन, जरूरी कागजात, टेलीफोन, बिजली के बिल आदि रखती हैं। इन सबको व्यवस्थित रखने के लिए उसमें व्यवस्था होनी चाहिए। आजकल ऐसे पर्स भी बाजार में मिलते हैं जिनमें सेल्यूलर फोन रखने के लिए एक खाना विशेष तौर पर बना होता है।

पर्स कई तरह के आते हैं। जैसे लटकाने वाले, हाथ में रखने वाले आदि। इसी प्रकार कुछ रेक्जीन से बने होते हैं, तो कुछ चमड़े से। रेक्जीन में भी कई क्वालिटी आती है। सस्ते रेक्जीन के पर्स जल्दी कट-फट जाते हैं और मुलायम रेक्जीन के पर्स टिकाऊ होते हैं। चमड़े के पर्स काफी मजबूत होते हैं। जिन्हें अपने पर्स का रोजाना इस्तेमाल करना होता है, उन्हें मजबूत पर्स लेना चाहिए।

लटकाने वाले पर्स के बेल्ट मजबूत होने चाहिए ताकि कँधे पर लटका पर्स न गिरे। पर्स में ज्यादा भारी सामान भरकर लटकाने से भी बेल्ट टूट जाते हैं, अतः इन सब बातों का ध्यान रखना चाहिए। कामकाजी महिलाओं के लिए लटकाने वाला पर्स ही ठीक रहता है।

बहुत-सी महिलाएँ अपने पर्स में ऊन के बड़े-बड़े गोले, अधबुना स्वेटर आदि रखती है, जो कि ठीक नहीं है। पर्स में इतनी क्षमता नहीं होती। पर्स में पसीने एवं धूल आदि लगने से वे गंदे भी हो जाते हैं, अतः उनकी सफाई पर ध्यान देना चाहिए। रेक्जीन के पर्स को साबुन पानी के घोल से साफ किया जा सकता है, लेकिन चमड़े के पर्स पर भूलकर भी पानी नहीं लगने दें, अन्यथा वह किसी काम का नहीं रहेगा।

अपने पर्स में अपने नाम, पते एवं टेलीफोन नंबर की एक पर्ची अवश्य रखिए ताकि पर्स कहीं खो जाने पर यदि वह किसी ईमानदार व्यक्ति के हाथ लग जाए तो वह आप तक पहुँचा सके।

स्ट्रॉबेरी आइस्क्रीम

सामग्री: 1 बेसिक आइस्क्रीम, आधा टीस्पून स्ट्रॉबेरी, 1/4 टीस्पून रसबेरी रेड कलर।

विधि: बेसिक आइस्क्रीम के टुकड़े करके अच्छी तरह फेंटें। फिर इसमें स्ट्रॉबेरी और रसबेरी रेड मिलाकर 15 मिनट तक अच्छी तरह से फेंटें। फ्रीजर में जमने के लिए रख दें। सर्व करते समय जेम्स और चोको चिप्स से सजाकर सर्व करें।

ठंडई

सामग्री: 100 ग्राम गुलकंद, आधा टीस्पून साबुत काली मिर्च, 10 हरी इलायची, 2 टेबलस्पून सौंफ, आधा कप शक्कर, 1/4 कप बादाम, 3-4 कप ठंडा पानी, 1 कप ठंडा दूध और बर्फ।

विधि: उपरोक्त सभी सूखे मसालों को मिक्सर में अच्छी तरह से पीसकर पाउडर बना लें। अब इसमें गुलकंद डालकर एक बार फिर पीस लें। 2-3 कप ठंडा पानी और एक कप दूध मिलाकर फिर से ब्लेंड कर लें। 3-4 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। बर्फ का चूरा मिलाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

आर्कषक एवं फैशनेबल हेयर स्टाइल

सबसे नई स्टाइल %लेयर्स कट% है, जो स्ट्रेट हेयर बालों पर बहुत ही फबती है। ज्यॉमीट्रिकल हेयर कट्स आपको मॉड लुक देते हैं। यदि आप अपनी हेयर स्टाइल ऐसी चाहती हैं, जिससे कि आपकी गरदन कुछ लंबी दिखाई दे तो अपने बालों को स्टेप कट में कटवाएँ।

काली घटा सी जुल्फों के बीच से जो चाँद सा चेहरा मुस्कुराया तो न जाने कितने दिल उलझ गए गेसुओं में। रेशमी जुल्फों का जादू ऐसा ही होता है, तभी तो जुल्फों की साज-संभाल की जाती है। पर कभी इन्हें सजाने-सँवारने का सही तरीका मालूम नहीं होता, इसलिए कुछ कमी रह जाती है।

हम आपको कुछ मॉडर्न हेयर स्टाइल यानी ऐसे हेयर कट्स जो फैशन में भी हों और आप पर अच्छे भी लगें के बारे में बताएँगे यही तो है आज की माँग व हर किसी की चाहत। ऐसी हेयर स्टाइल जो मैनेज की जा सके और आपके प्रोफेशन के अनुरूप भी हो।

महिलाएँ स्त्रियोचित व खूबसूरत लुक देने वाली हेयर कट पसंद करती हैं। इनमें सबसे नई स्टाइल 'लेयर्स कट' है, जो स्ट्रेट हेयर बालों पर बहुत ही फबती है। ज्यॉमीट्रिकल हेयर कट्स आपको मॉड लुक देते हैं। यदि आप अपनी हेयर स्टाइल ऐसी चाहती हैं, जिससे कि आपकी गरदन कुछ लंबी दिखाई दे तो पहले अपने बालों को चेहरे से हटाइए। अपने बालों को स्टेप्स में कटवाइए।

यदि बाल कुछ लंबे हैं तो इन्हें इतना कटवाइए कि यह कंधे से थोड़े नीचे आएँ या कॉलरबोन तक आएँ। ये आपको स्मार्ट लुक देंगे और ऐसे बाल आपके चेहरे पर आसानी से हटे रहेंगे। ज्यादा लंबे बाल लंबे चेहरे वाली स्त्रियों पर अच्छे नहीं लगते, क्योंकि ऐसे बाल आपके चेहरे पर दोनों तरह बिखरते हैं।

इससे आपका चेहरा और भरा एवं लंबा दिखाई देगा। ज्यादा छोटे बाल भी नहीं होने चाहिए। पीछे से बाल कुछ बड़े होने चाहिए, ताकि यह चेहरे के संतुलन को बनाए रखें और सौम्यता को बढ़ाए।

यदि आप अपने बालों की पोनी बनाना चाहें तो पोनी को सिर पर ज्यादा ऊँचाई पर नहीं बाँधे, उसे थोड़ा नीचे बनाएँगी तो यह आपको स्मार्ट लुक देगी। इससे आपके चेहरे की गोलाई भी दिखाई देगी। बालों का एक खास टेक्सचर और नेचर होता है उसी को ध्यान में रखकर आपको हेयर कट दिया जाता है। अपनी हेयर स्टाइल के लिए आप हेयर डिजाइनर की सलाह लीजिए।

आजकल हेयर कलरिंग का बहुत चलन है, लेकिन ध्यान रहे हर उम्र, हर प्रोफेशन पर सभी रंग नहीं फबते, इसलिए हेयर कलरिंग के समय रंग का चुनाव सावधानी से करें। अपने चश्मे के फ्रेम को भी ध्यान में रखकर हेयर स्टाइल का चुनाव करें। ये सब कोशिशें इसलिए होती हैं कि ऐसी आकर्षक हेयर स्टाइल बनाई जा सके कि लोगों की नजर आप पर थम जाए।

बच्चो के प्रति प्रेम

- बच्चे को प्रश्न पूचने की पूरी छूट दें। प्रश्नों का उत्तर प्यार से और सही दें।
- अपने बेटे/बिटिया को काम करने के लिए प्रोत्साहित करें। काम करने पर उन्हें शाबासी दें। यदि उनसे कुछ गलत हो गया है, तो सही कैसे होगा, सिखाएं।
- प्यार और गुस्सा करने में अपना संतुलन बनाए रखें।
- बच्चे के प्रति प्रेम और लगाव को समय-समय पर प्रदर्शित करते रहें।
- अत्यधिक अपेक्षाएं रखना, अपनी महत्वाकांक्षा बच्चों पर थोपना गलत है।
- बच्चे को कुछ हद तक स्वतंत्र रूप से छोड़ें। इससे उसमें आत्मविश्वास उत्पन्न होगा।
- बच्चे के सामने झूठ बोलने की कोशिश न करें।
- गलती पर डांटें और अच्छे व्यवहार के लिए उपहार दें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3988

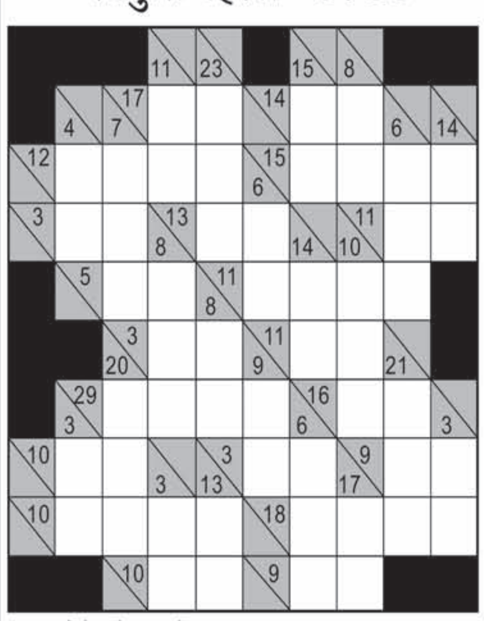

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

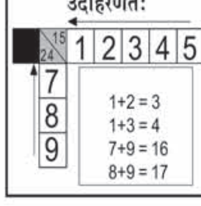

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3987 का हल

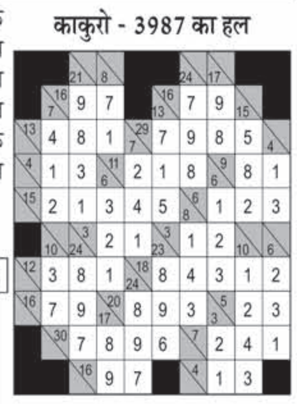

हंसी के फूव्वारें

एक बार एक सेठ बीमार पड़ गया. उसकी हालत मरने की-सी हो गई. पूरा परिवार उसके चारों ओर एकत्र था. सेठ ने अपनी पत्नी को बुलाकर पूछा-'बड़ा लड़का कहां है ?'

'यहीं है !'

'मंझला ?'

'यहीं है.'

'और छोटा ?'

'यहीं है.'

'तो फिर क्या दुकान बन्द पड़ी है ?' सेठ ने चारपाई से उठते हुए पूछा.

□ □ □

एक जहाज का कप्तान डेक से फिसल कर समुद्र में गिर गया. एक नाविक ने अपनी जान हथेली पर रखकर उसे बचा लिया.

'मैं तुम्हें क्या इनाम दूं !'कप्तान ने पूछा.

'श्रीमान !' नाविक हाथ जोड़ते हुए बोला-'सबसे अच्छा इनाम तो यह होगा कि आप इस घटना का जिक्र किसी से न करें. वरना बाकी नाविक मुझे उठाकर समुद्र में फेंक देंगे.'

□ □ □

जज, कैदी से- 'तुम्हें कल फांसी दी जाएगी, तुम्हारी कोई आखिरी इच्छा है?'

कैदी-'जी हाँ.'

जज-'क्या?'

कैदी-'जी मेरी जगह आप फांसी पर लटक जाइये!'

फिल्म वर्ग पहेली- 3988

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारें की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3987

सूडोकु -3988

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3987 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3988

बाएँ से दाएँ

1.पदमाकर,कमल सरोवर-5
4.इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6.देवस्थान,मंदिर-2
7.शिव आवास-3
8.उत्तम,सज्जन-2
10.पति,शोहर-3
11.दमकना-4
14.टीस,पीड़ा-3
16.झरने की आवाज-4
17.आशा,इच्छा-2
18.संध्या,शाम-2
19.निराकार,भगवान-4
21.बुझाना,शांति-3
22.अभिप्राय-4
24.आंचल-3
25.घोड़ागाड़ी-2
27.उष्ण-3
28.पिता के पिता-2
29.पंक्ति-3
30.तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे

1.कथा कहने वाला-5
2.चित,जी-2
3.कार्यशाला,यंत्रालय-4
4.माहिर,दक्ष-3
5.आकाश,गगन-2
7.कारावास-2
9.योग्य-3
12.अनुमान,अंदाज-3
13.झगड़ा,कहासुनी-4
15.मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16.पक्षियों का शोर-4
17.राहत, विश्राम -3
18.मुसीबत, आफत -3
20.होशियार, चेतावनी-5
21.नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23.मगरमच्छ-3
24.दर,मूल्य-2
26.भूमि,धरती-2
28.पिता के पिता-2

शब्द पहेली -3987 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी